केन्द्रीय विद्यालय क्र॰ 2 आ॰ व॰ नि॰ शाहजहाँपुर

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय
सीबीएसई संबद्धता संख्या: 2100043, सीबीएसई स्कूल कोड: 64016, यूडीआईएसई कोड: 09221300703
Website: www.no2shahjahanpur.kvs.ac.in, Email: kv2ocfspn1stshift@gmail.com, Phone No: 05842-297715

विद्यालय पत्रिका
सत्र 2022-23

CHIEF PATRON

Shri Devendra Kumar Dwivedi
Deputy Commissioner
KVS (RO.), Lucknow

Shri Anup Awasthi
Assistant Commissioner
KVS (RO.), Lucknow

PATRON

Shri Parvez Husain
Principal
KV 2 OCF, Shahjahanpur

Shri Vijay Prakash
Vice Principal
KV 2 OCF, Shahjahanpur

Editorial Board

Chief Editor: Mr. Anupam Bhardwaj, PGT(Hindi)

हिंदी अनुभाग

Mr. Anupam Bhardwaj, PGT(Hindi)
Mr. Prashant Kumar, TGT(Hindi)
Mr. Dhoom Singh, TGT(Hindi)

Graphics&Designing

Mr. Mohd Hashim, PGT (Computer Science)
Mr. Manjesh, Computer Instructor
Mrs. Shiva Shukla, Computer Instructor

Arts Department

Mrs. Anubha, TGT (A.E)

English Department

Mr. Mairaj Ahmad, PGT(English)
Ms. Shubhashni Prakash, TGT(English)
Ms. Shalu Rani, TGT(English)

संस्कृत अनुभाग

Ms. Renu Bala, TGT (Sanskrit)

खेल विभाग

Mr. Ravi Sharma

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
Regional Office, Lucknow
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन
Under Ministry of Education, Govt. of India
Website : https://rolucknow.kvs.gov.in/

पत्रांक-उपायुक्त/लखनऊ संभाग/2022-23 दिनांक- 18.08.2023

संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि केन्द्रीय विद्यालय, क्र.2, ओ.सी.एफ. शाहजहांपुर सत्र 2022-23 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति का वह दर्पण होती है जिसमें विद्यालय की अनेक गतिविधियों का प्रतिबिम्ब प्रदर्शित होता है। विद्यालय एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों तथा शिक्षकवृंद द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए प्रयासों के परिणाम की झलक भी पत्रिका में प्राप्त होती है।

केन्द्रीय विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा, रूचि एवं उनकी मनोवृत्ति को ध्यान में रखकर उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करते हुए उनका चहुमुखी विकास करना है। विद्यालय पत्रिका मौलिक दृष्टिकोण, नये-नये विचार एवं बुद्धिमत्ता को नये आयाम प्रदान करने का एक उत्तम मंच है।

इस अवसर पर मैं इससे जुड़े सभी विद्यार्थियों, शैक्षिक / शिक्षणेतर कर्मचारियों एवं प्राचार्य को पत्रिका के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि यह पत्रिका पाठकों को सुरूचिपूर्ण पाठन सामग्री प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं सहित।

(देवेन्द्र कुमार द्विवेदी)
उपायुक्त

श्री परवेज हुसैन
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
क्र.2, ओ.सी.एफ. शाहजहाँपुर

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
Regional Office, Lucknow
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन
Under Ministry of Education, Govt. of India
Website : https://rolucknow.kvs.gov.in/

पत्रांक फा० 26350(M-38)/2023-24/केविसं क्षे.का. लखनऊ/ दिनांक –27-07-2023

सन्देश

यह प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय नं-2, ओ.सी.एफ., शाहजहांपुर वार्षिक विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है | विद्यालय पत्रिका छात्रों, शिक्षकों को एक प्राथमिक मंच प्रदान करती है जहाँ वे अपनी रूचि एवं सामर्थ्य अनुरूप विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं | लेखन एक कला है, जो समुचित अवसर प्रदान करने पर पुष्पित एवं पल्लवित होती है | केन्द्रीय विद्यालय नं-2, ओ.सी.एफ., शाहजहांपुर परिवार की यह पहल विद्यालय के गुणी लेखकों को ऐसे ही अवसर प्रदान करेगी |

आशा करता हूँ कि यह पत्रिका न सिर्फ लेखकों बल्कि पाठकों के लिए भी उपयोगी एवं प्रेरणास्पद होगी | सभी छात्र-छात्राओं में लेखन एवं पठन की अभिवृत्तियों को पोषित करेगी | साथ ही पाठकों को मनोरंजन, ज्ञानवर्धन के साथ नैत्तिक मूल्यों के पालन व साहित्य सृजन हेतु प्रेरित करेगी | यह पत्रिका अभिभावकों तक शिक्षकों एवं बच्चों की सामर्थ्य, लगनशीलता एवं सतत् प्रयासों की एक झलक प्रस्तुत करने में समर्थ होगी |

सभी लेखकों एवं सम्पादक मण्डल सहित केन्द्रीय विद्यालय नं-2, ओ.सी.एफ., शाहजहांपुर परिवार को पुन: हार्दिक बधाई !

शुभकामनाओं सहित !

(अनूप अवस्थी)
सहायक आयुक्त
के.वि.सं. लखनऊ

पता: केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, सेक्टर–जे, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) - 226024 ई-मेल dcrolucknow@gmail.com दूरभाष : 0522-2745386, 2745535
Add: Kendriya Vidyalaya Sangathan, Regional Office, Sector-J, Aliganj, Lucknow (UP) - 226024. E-mail dcrolucknow@gmail.com, Ph. 0522-2745386, 2745535

अखिलेश कुमार, भा.आ.नि.से.
महाप्रबंधक
AKHILESH KUMAR, IOFS
General Manager

आयुध वस्त्र निर्माणी
ORDNANCE CLOTHING FACTORY
ट्रूप कम्फ़र्ट्स लिमिटेड की इकाई
A UNIT OF TROOP COMFORTS LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF DEFENCE
शाहजहाँपुर-242001
SHAHJAHANPUR-242001

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुयी है कि केन्द्रीय विद्यालय नंबर-II, आयुध वस्त्र निर्माणी, शाहजहाँपुर अपनी वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका, विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों को एक खुला मंच प्रदान करने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं विचारों की संवाहक होती है । अतः यह पत्रिका विद्यार्थियों के साथ- साथ शिक्षकों की रचनात्मक गतिविधियों का प्रतिबिंब है।

मुझे विश्वास है कि यह विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन एवं बौद्धिक संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। दुनिया को न केवल शिक्षित और बुद्धिमान लोगों कि ज़रूरत है , बल्कि दुनिया को ऐसे लोगों की भी ज़रूरत है जो साहसी और दयालु के साथ साथ जिनमें इंसानियत भी हो। पूरी दुनिया में शिक्षा एक क्रांतिकारी बदलाव के दौर से गुजर रही है। ज्ञान अब समय और स्थान से विवश नहीं है। यह कक्षाओं और स्कूल परिसरों से परे विस्तारित हुआ है । आज की दुनिया में, आप कितना जानते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, अधिग्रहीत ज्ञान का उपयोग अधिक महत्वपूर्ण है। यह वह जगह है जहाँ वर्तमान शिक्षा में उत्कृष्टता निहित है।

मैं पत्रिका के प्रकाशन एवं संपादन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी अध्यापकों, स्टाफ और विद्यार्थियों को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनायें देता हूँ !

(अखिलेश कुमार)
महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष
केन्द्रीय विद्यालय -II

प्राचार्य की कलम से.....

रचनात्मक उर्वर और ऊर्जादायी शिक्षा समय रूपी रंग के इंद्रधनुषी शब्दों के आलोक में पठन-पाठन प्रक्रिया द्वारा युग सर्जक बन जाती है। शिक्षा के व्यापक उद्देश्य संपूर्ण विश्व को समेटकर अतीत, वर्तमान और भविष्य से विद्यार्थियों का साक्षात्कार कराते हैं। विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावात्मक एकता, नैतिकता, सांस्कृतिक चेतना का अप्रियतम समन्वय ही हमारे विद्यालय का लक्ष्य है। दायित्व बोध, संस्कार, जीवन दृष्टि तथा वसुधैव कुटुंबकम की उदात्त साधना के प्रति समर्पित दृढ़ संकल्प ही हमारी शक्ति है। अनुशासन,परिश्रम एवं उत्तम शैक्षिक वातावरण हमारे विद्यालय की सुघड़ त्रयी रही है। प्रातः कालीन सभा में ईश वंदना के साथ ही राष्ट्रभक्ति एवं विश्व बंधुत्व की भावना का विकास किया जाता है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं तार्किक विश्लेषण क्षमता विकसित करने का पूर्ण प्रयास किया जाता है।

विद्यालय पत्रिका ऐसा दर्पण है जिसमें विद्यालय की समस्त गतिविधियों को अवलोकित किया जा सकता है। इस अवलोकन में मूल्य और सिद्धांतों की सुगंधि तथा शारीरिक क्षमता एवं सुदृढ़ता का विकास तथा ज्ञान और व्यवहार की समाज सापेक्ष परिकल्पना के दृश्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। यह विद्यालय अपने विद्यार्थियों को एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जिसमें उनका भावात्मक एवं बौद्धिक विकास होता है तथा विद्यार्थियों की रचनात्मकता को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है। विद्यालय में छात्र-छात्राओं की रूचि एवं क्षमता के अनुसार अनेक क्रियाकलापों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिसमें समस्त छात्र-छात्राएं बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हैं तथा उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। सृजनशीलता एवं अभिव्यक्तियों की प्रस्तुति के रूप में विद्यालय पत्रिका का सत्र 2022-2023 का यह अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है ।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है,मैं उन सभी के प्रति श्रद्धावनत हूँ। विद्यालय के जिन छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं की रचनाओं से यह विद्यालय पत्रिका सुशोभित हुई है, उन सभी के प्रति मैं हृदय से आभार ज्ञापित करता हूँ ।

मंगलकामनाओं सहित-

परवेज हुसैन

प्राचार्य

उप-प्राचार्य की कलम से.....

विद्यार्थियों में अंतर्निहित सर्जनात्मक प्रतिभा को उचित मंच देने के लिए विद्यालय पत्रिका एक सशक्त माध्यम है। विद्यालय रूपी उपवन में विद्यार्थियों रूपी पौधों को पुष्पित और पल्लवित होने का पूर्ण अवसर प्राप्त होता है। विद्यालय ही वह स्थान है। जहाँ युवा मन में स्वस्थ सामाजिक परम्पराओं, श्रेष्ठ संस्कारों, उच्च नैतिक मूल्यों और राष्ट्र प्रेम का बीजारोपण किया जाता है।

मेरी परम पिता परमेश्वर से हार्दिक प्रार्थना है कि हमारे विद्यार्थी जब शिक्षा पूर्ण कर विद्यालय से विदा हों तो सकारात्मक ऊर्जा, उत्तम चरित्र और नैतिक मूल्यों से लबरेज ऐसे विचारवान युवा बनकर निकलें जो समाज के हर क्षेत्र में अपना विशेष स्थान बना सकें।

मैं माननीय प्राचार्य जी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ जिनके कुशल निर्देशन में विद्यालय निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है। मैं विद्यालय पत्रिका के संपादक मण्डल को भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनके अथक प्रयासों से इस पत्रिका को एक नए कलेवर में हम पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत कर सके।

धन्यवाद।

विजय प्रकाश

उप-प्राचार्य (प्रथम पाली)

सम्पादकीय

विद्यालय पत्रिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा बाल केंद्रित व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों की कल्पनाशील उर्जा की सृजनात्मक क्षमता तथा आत्मबोध को मुखर बनाने हेतु लेखन रूपी मंच प्रदान करती है. जिससे उनकी अर्जित भावनाओं, भाषाई दक्षता एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति तथा स्वाभाविक मेधा का सम्यक विकास किया जा सके|

सीखना सतत प्रक्रिया है और शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है सभी का सर्वांगीण विकास। प्रस्तुत पत्रिका का यह अंक बाल सुलभ मन की आड़ी तिरछी उमड़ती -घुमड़ती क्रियाशीलता एवं सतरंगी इंद्रधनुष की विविधताओं में एकता का दर्पण है। संभव है बच्चों की तोतली भाषा में अंकुरित पुष्प माला पिरोने के क्रम में कुछ पंखुड़ियां बिखर गई हों किंतु सुधी पाठक उस बिखराव को नजरअंदाज करते हुए बाल प्रतिभा प्रयास का उत्साहवर्धन करेंगे|

इस पुनीत कार्य की गतिविधियों से संबंधित सभी व्यक्तियों के प्रति, मैं संपादक मंडल की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं. मैं विद्यालय के यशस्वी प्राचार्य श्री परवेज हुसैन, उप-प्राचार्य श्री विजय प्रकाश का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिनका स्नेहिल एवं कुशल मार्गदर्शन पत्रिका के प्रकाशन में हमारा संबल बना|

सभी महानुभाव अधिकारियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षक साथियों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनकी शुभकामना समन्वित संदेशों / आशीर्वचन लेखों, विचारों और सुझावों से विद्यालय पत्रिका की प्रतिष्ठा पूर्ण हुई है|

भारत के भावी भविष्य / कर्णधार प्रिय विद्यार्थियों को हमारा यही संदेश है कि जब विश्व बौद्धिक प्रगति की प्राण ओर अग्रसर है वह भावनात्मक संवेदनाएं को स्थापित कर मानव जीवन को आदर्श बनाने का संकल्प लें चरित्र बल, परहित कल्याण भावना, साहस तथा संयम द्वारा इच्छाशक्ति के प्रवाह से स्व जीवन निर्माण करें|

सभी लक्षित/अलक्षित अभ्यर्थनाओं / त्रुटिओं का नैतिक उत्तरदायित्व स्वयं वहन करते हुए शब्द, अर्थ, विचार, 'भाव चतुष्टयी को नमन तथा सभी के लिए मंगल कामना.....

संयम, सेवा स्वाध्याय को निजी जीवन का अंग बनाएं

बिखरावों से दूर रहे हम राष्ट्रप्रेम साधक बन जाएं

क्षमताओं को संचित कर के जग मंगल के लिए लगाएं

अपनी आत्मा ज्योति से पुलकित अपने सूर्य स्वयं बन जाएँ

शुभेच्छु

अनुपम भारद्वाज

स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

Board Result 2023-24 Class XII

DEVANSH SHANKHADHAR
97.6%
XII SCIENCE

SHANTANU SRIVASTAVA
96.4%
XII SCIENCE

KARVEY TANEJA
96.0%
XII SCIENCE

AVANTIKA PRAJAPATI
93.4%
XII HUMANITIES

HITAKSHI VERMA
93.2 %
XII HUMANITIES

UMUM KHAN
93.2%
XII HUMANITIES

RUPIKA MOHAN
93.0%
XII HUMANITIES

SAMARA KHAN
93.0%
XII HUMANITIES

VIBHAVARI
90.4%
XII COMMERCE

ISHWAR NAND
88.0%
XII COMMERCE

PALAK SINGH
83.4%
XII COMMERCE

SYED MOHD HUMAM
97.2%
X

AYUSH KUMAR SINGH
95.8%
X

AMAN VERMA
93.4%
X

SAKSHI SINGH
93.4%
X

Board Result 2023-24 Class X

हिंदी अनुभाग

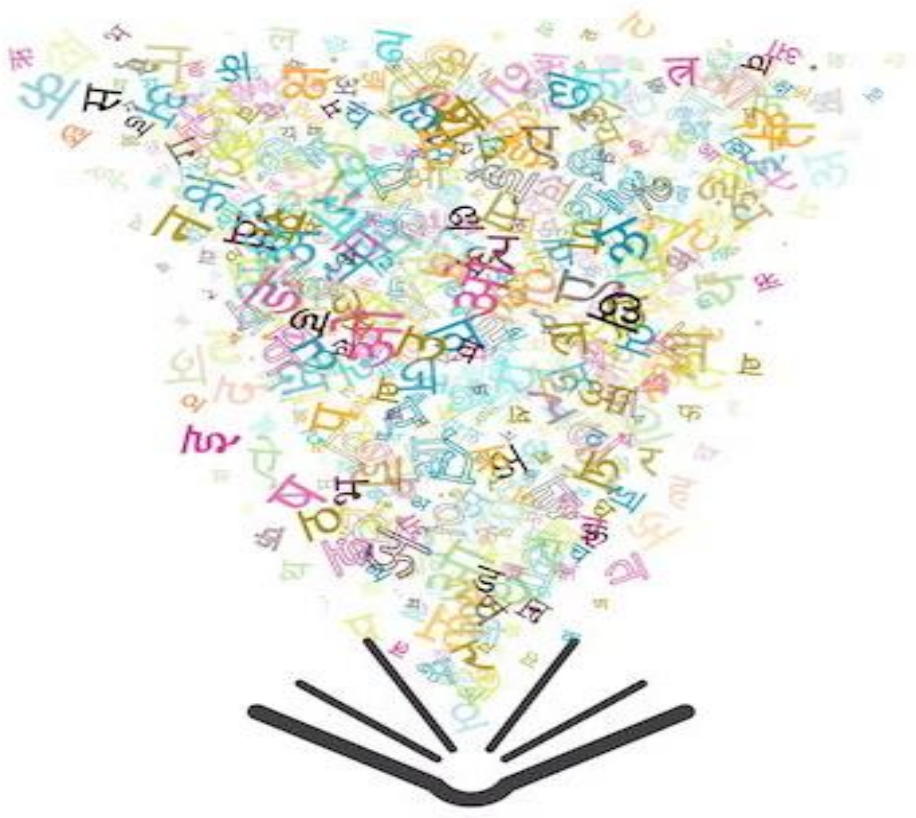

नारी हूँ

मैं तो एक नारी हूँ
जज्बा हूँ जुनून हूँ
प्रेम हूँ सुकून हूँ.
शक्ति से पूर्ण हूँ
न कोई बेचारी हूँ
मैं तो एक नारी हूँ।
हिम्मत हूँ गुरूर हूँ
नशा हूँ सुरूर हूँ
कलाकार जरूर हूँ
हर मुश्किल पे भारी हूँ
मै तो एक नारी हूँ।
ख्याल हूँ जबाब हूँ
चाहत हूँ राहत हूँ
इज्जत हूँ सिद्धत हूँ
नहीं कोई लाचारी हूँ
मैं तो एक नारी हूँ ।
विधा हूँ श्रद्धा हूँ
हया हूँ, पर्दा हूँ
मुग्धा हूँ मर्यादा हूँ
खुशियों की पिटारी हूँ
मैं तो एक नारी हूँ ।

रुचिका भारद्वाज
प्राथमिक शिक्षिका

न नादेन बिना गीत न नादेन बिना स्वरः
न नादेन बिना ज्ञानम् न नादेन बिना शिवः

संगीत एक ऐसी कला है जिसमें संयमित सुर न केवल आवाज को तराशते हैं बल्कि जीवन को संयमित भी करते हैं इसे सुनकर आत्मिक शांति का अनुभव करना जितना सरल है उतना ही कठिन इसे जीवन में उतारना। लेकिन संगीत का सानिध्य मात्र ही शरीर से लेकर मन और आत्मा को तृप्त कर एक तरह की संपूर्णता का एहसास कराता है।

क्योंकि संगीत वह सुर साधना है जिससे मनकी आवाज देकर ईश्वर को साधा जाता है संगीत ही एक माध्यम है जिसमें अंतरात्मा की आवाज सुनाई देती है इसे सुनकर जहां कई शारीरिक विकार दूर होते हैं वही इसे साधकर मन और आत्मा के विकारों से मनुष्य मुक्ति पा लेता है और रह जाता है केवल स्वच्छ, सरल, निर्विकार हृदय जिसे संगीत मय कर ईश्वर की आराधना की जाती है।

गीतों के रंग न हो, नीरस है यह जीवन,
सरगम के सुर नछिड़े तो सुना है मन आंगन
हवाओं में संगीत है,
संगीत है बारिश की रिमझिम में
धड़कन में संगीत है,
सांसो में संगीत है,
संगीत है कुदरत के कणकण में-,
जब ताल से उठे,
दिल की सदा कोई,
हौले से ख्यालों को,
सहला जाता है कोई गीत जब,
घूम घूम बलखाते हैं यह दिल क्योंकि.....
संगीत दिलों का उत्सव है
संगीत दिलों का उत्सव है .....
उत्सव है

डॉक्टर पूजा मेहरोत्रा
संगीत शिक्षिका (प्रथम पाली)

हमारा केवी संगठन

ये है हमारा संगठन
प्यार से भरा मेरा संगठन
ज्ञान का ये तो भंडार है
देश के प्रति प्यार है
हम इसके हैं परिन्दे
ये हमारी शान है
ये हैहमारासंगठन
प्यार से भरा मेरा संगठन
हम इसके है परिन्दे
ये हमारा मान है
ये शब्दों मे जो झंकार है
वो मेरे केवीकी पुकार है
ये है हमारा संगठन
ज्ञान का ये संसार है
देश के प्रति प्यार है
हम इसके है सितारे
ये हमारा मान हैं
ये है हमारा संगठन

नाम -अरीबा मैराज
कक्षा-6 'अ'

पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ

धरती अगर बचानी है तो, मानव जरा संभल जाओ।
आने वाली पीढ़ियों पर, अब तो ज़रा तरस खाओ।

गर न रहे ये वन, उपवन ये बागबगीचे फुलवारी।-
कहाँ दिखेगी फिरइन सब बच्चों की सूरत प्यारी।
इनके आने वाले कल को, ग्रहण न अभी लगाओ।

आने वाली पीढ़ियों पर, अब तो ज़रा तरस खाओ।

मिट्टी, जल, पर्वत, वन, वायु प्रकृति के उपहार हैं।
इनके बिना ना जीवन संभव, न प्राणी का आधार है।
सीमित दोहन संसाधनों का, प्रण ये सभी निभा जाओ।

आने वाली पीढ़ियों पर, अब तो ज़रा तरस खाओ।

रियूज, रियूज, रिसाइकल का मंत्र जीवन में अपनाओं।
कम उपभोग करो, दोहराओ और पुनर्चक्रण में लाओ।
कर्तव्य निभाना धरती के प्रति, पौधे दो चार लगाओ।

आने वाली पीढ़ियों पर, अब तो ज़रा तरस खाओ।

नाम- अनन्शा पाल
कक्षा- सप्तम 'स'

मौसम प्यारा प्यारा

बहुत सवेरे चिड़िया रानी
दरवाजे पर आई
आकर सपनों वाली कुण्डी
खट खट खट खटकाई
चूँ चूँ करती बोली मुझसे-
अब तक सोते क्यों हो?
होती बेहद सुबह सुहानी
इसको खोते क्यों हो ?
मैंने अलसायी आंखों से
उसको तभी निहारा
आओ आओ चिड़िया रानी
कहकर उसे पुकारा |
अपने पंखो को फैलाकर
पास मेरे वह आई|
सुंदर सुंदर फूल खिले है-
बात मुझे बतलाई
मैने झटपट छोड़ा बिस्तर
बाहर जाकर देखा, तो
सुंदर सुंदर धूप खिली पाई।

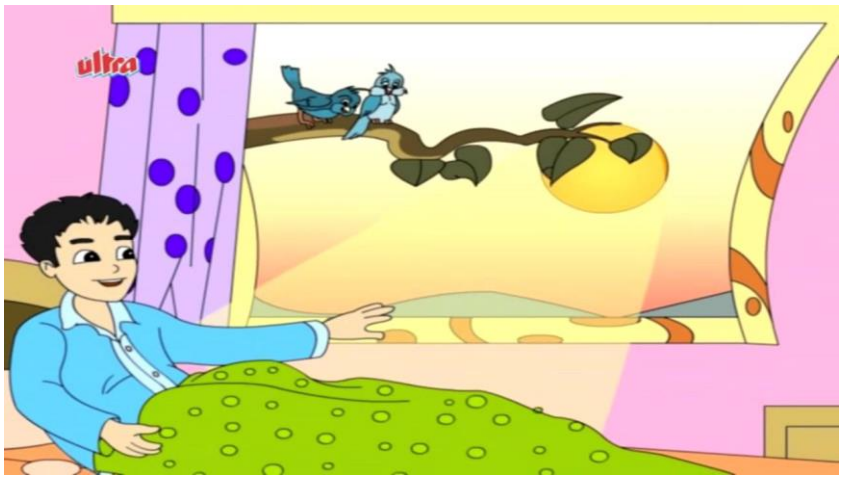

नामअच्युत मिश्रा-
कक्षा सप्तम-'स'
अनुक्रमांक–03

बदलाव

जो बदलाव के बाद बदलते है,
बस जिंदा रहने के लिए बदल जाते है,
जो बदलाव के साथ बदलते हैं,
अपनी अलग पहचान बनाते हैं,
हर हाल मे जरूरी है इस जगत में,
बक्त के साथ बदलना सभी को
और इस धरा पर जो लाते है बदलाव
वे परिवर्तन के प्रणेता कहलाते है!
बदलाव के रास्ते पर बेहिचक चलते रहिये
जरूरत के मुताबिक आप बदलते रहिये

नामआराध्या तिव -ारी
कक्षा-
अनुक्रमांक–

नारंगी

नारंगी रंग नारंगी का
बेच रहा फलवाला गाकर
और बजाता है। सारंगी
चमक रहा है छिलका पीला
सुंदर फल है बड़ा रसीला
प्यास बुझे मन खुश हो जाता
ढीली तबियत होती चंगी |

नामअभिनव दीक्षित-
कक्षा अ 9

शिक्षा का महत्व

शिक्षा का है बहुत महत्व
यह तो है एक रोचक तथ्य
जो शिक्षा को पाता है
वह सफल हो जाता है
शिक्षा बिना जीवन है अंधेरा
शिक्षा लाती है सवेरा
शिक्षा से जीवन है आबाद
इसको न तुम करो बर्बाद
जब ज्ञान का दीपक जल जाता है
अंधियारा सब मिट जाता है

नाम- नैप्रच्या जौहरी
कक्षा-8- 'ब'
अनुक्रमांक–10

नारियल और पत्थर

एक पेड़ था नारियल का
ऊँचाई थी जमकर
उसके नीचे पड़ा हुआ था
बदसूरत सा पत्थर
नारियल अक्सर घमंड में
उसकी हँसी उड़ाता था
क्या करता बेचारा पत्थर
मन ही मन दुःख पाता।
एक बार एक मूर्तिकार ने
देखा जब वो पत्थर
सोचसमझकर उस पत्थर की-
मूर्ति बना दी सुन्दर
लोगों ने उस देवमूर्ति को-
मंदिर में रखवाया
जो सबकी ठोकर खाता था
उसका मान बढ़ाया
औरएक दिन एक आदमी
वही नारियल लाया
मूर्ति के चरणों में फोड़ा
न्याय सभी ने पाया
ऊँचा उठना, नीचे गिरना
दुनिया का दस्तूर
कभी न उसकी हँसी उड़ाना
जो बेबस, मजबूर।

नाम- मानवी
कक्षा- सातवीं ब
अनुक्रमांक–18

झाँकती हैं किताबें खोलती हैं खिड़कियाँ

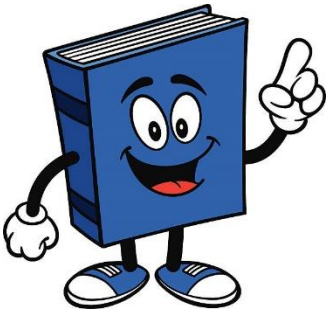

किताबें बोलती हैं स्वयं और
बुलवाना भी जानती है
क्यों बैठे हो मौन टीवी स्क्रीन पर
कार्टूनों को निहारते
या मोबाइल फोन पर उंगलिया चलाते
या वीडियो गेम खेलते।
आओ जरा बैठो मेरे पास खोलो पृष्ठ मेरे
पंक्ति-दर-पंक्ति वाक्य- दर -वाक्य
बोलने लगेंगे अक्षर-अक्षर
खुलेंगी खिड़कियाँ फिर दिमान की
जो सोया पड़ा था अब तक जागे गा धीरे - धीरे
सीख जाओगे कहना तुम भी जो दवा पड़ा था मन में तुम्हारे
क्योंकि तुम्हारे मन के अन्दर झांकती हैं किताबें ॥
गूंगी नहीं होती बातें करती हैं किताबें "

नाम-खदीजा फातिमा
कक्षा- सातवीं अ
अनुक्रमांक –18

मेरी चिड़िया

मेरी चिड़िया प्यारी चिड़िया
मुझको लगती सबसे न्यारी चिड़िया
फुदक फुदककर इस डाली से उस डाली तक हो आती
वह नील गगन मे उड़ जाती
यह मेरी संतोषी चिडिया
मेरी चिड़िया प्यारी चिड़िया
यह नदी का पानी पीती और दाना खाती
चीं-चीं कर वो मधुर गीत गाती
उसे नील गगन से है बहुत प्यार
मेरी चिड़िया प्यारी चिड़िया मुझको लगती सबसे न्यारी चिड़िया।

नाम – मनतशा
कक्षा – 7 'ब'

बचपन

एक छोटी गुड़िया की खातिर,
मैं लड़ जाया करती थी।
एक टॉफी जब खो जाती थी,
तो रो जाया करती थी। कितना सुंदर बचपन था, वो
था आकाश या उपवन था, वो
निर्भयता का दर्पण था वो
अब वो बचपन छूट गया,

अंतर्मन भी रूठ गया,
पलपल चिंतन करता है-,
मन दुविधा में घिरता है

नाम- वैष्णवी मिश्रा
कक्षा स 8

मेरी पहचान

हँसते -हँसते, खेलते-खेलते, बीता है मेरा भी बचपन,
पर क्या पता था मुझकों कि होती है जीवन में इतनी भी उलझन,
पापा को अपने अब, मुझको कुछ दिखलाना हैं,
पापा के अरमानों में, मुझको ध्यान लगाना हैं,
संघर्ष भले ही जीवन में हो, पर कुछ तो मुझको पाना है,
इसलिए नहीं मैंने खुद को, इन राहों में पाया हैं |
पापा की बातों व यादों का रखना, मुझको ध्यान जी,
माँ -पापा की खातिर, मुझको करना है कुछ काम जी,
अवध बिहारी राघवेन्द्र के, चरणों में मेरा प्रणाम जी,
माँ -पापा है मेरे, तन-मन प्राण जी |
माँगू मैं भगवान से इतना, उनका और सम्मान बढ़ाना हैं,
अपने पापा के होंठो पे अब, मुझको ही मुस्कुरान लाना है,
पापा का आशीर्वाद रहा, कुछ अपनों की शक्ति हैं,
माँ की दुआओं से, जीवन में नई तरक्की हैं |
बुद्धि कुशाग्र माँ शारदे ! कर दें, जीवन में राह बनानी है,
इस समय में मुझको भी, अपनी पहचान बनानी हैं ||

नाम- अनमोल मिश्रा
कक्षा स 12

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या काँटे हो,
राह न अपनी छोड़ो तुम,
चाहें जो विपदाएं आयें,
मुख को ज़रा न मोड़ो तुम,
साथ रहें या रहें न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम,
नहीं कृपा की भिक्षा माँगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम,
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो,
जब तक जान बनी हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो ||

नामश् -रेष्ठ सिंह
कक्षा -4 'अ '

भूखा चूहा

एक चूहा भूखा था,
पहनता वह जूता था,
खूब शहतूत खाता था,
अमरुद कुतरकर खाता था,
दूर-दूर तक घूमा था,
खा-खाकर वह झूमा था,
सब कुछ जाता था वह भूल,
जब भी लग जाती थी भूख ,
दूध काजू आलू बूरा,
सब कुछ वह खा जाता था,
खा खाकर मीठा तरबूज-,
तगड़ा सा बन जाता था-|

नामश्रेष्ठ सिंह -
कक्षा -4 'अ '

अब तो पुष्प खिलने दो !

अब तो पुष्प खिलने दो
अब तो सूरज उगने दो
भौंरा प्यासा घूम रहा
हाथी पगला घूम रहा
पक्षी दाना चोंच में लेके
मुँह बच्चे का घूम रहा
उठ अंगड़ाई भरभर के अब
नन्हें को भी जगने दो,
अब तो पुष्प खिलने दो |
अब तो सूरज उगने दो
युगों युगों तक घुटन में जीता -
बंद कली बन रहता था
अपना असली रूप न पाकर
पवनवेग संग बहता था
अब तो शक्ति जगने दो
अब तो पुष्प खिलने दो
अब तो सूरज उगने दो ||

नाम अदिति पाल -
कक्षा-9 'ब '

पेड़ हमारे परम मित्र

पेड़ हमारे परम मित्र ,इनका मान बढ़ाओ
शुद्ध हवा भी ये देते हैं, इसका काम सराहे |
कुछ न लेते हर दम देते, इन्हे खूब अपनाओ
उन्हें न काटों दिल से पालो, तनिक नहीं सकुचाओ |
हरे भरे यह सबको भाते, जब उपवन में जाओ
मन को ये हर्षित करते हैं, इनको सब शीश झुकाओं |

नाम समृद्धि यादव -
कक्षा 4 –अ

बेटी

मेरी बगिया की सुन्दर कली है वह
मेरी आँगन की चहचहाती चिड़िया सी
जो उड़ जाती है एक दिन परदेस को
परियों की सजधज पर मुस्कुराती
मन को मोह लेती अपनी प्यारी बातों से
सबको अपना बना लेती है, जो
वह केवल एक बेटी ही होती है
जो अपनी हो कर भी पराई होती है |

नाम अदिति सिंह -
कक्षा -9 ब

स्कूल कविता

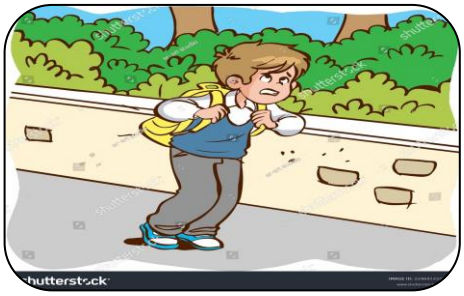

घंटी बजती है,
बच्चे आते है,
नींद से भरे भरे-,
किताबों से लदे लदे-|

घंटी बजती है,
बच्चे जाते है,
सहमे डरे- सहमे डरे-,
थके मंद- थके मंद-|

जब स्कूल में तितली नहीं दिखती,
चिड़िया नहीं गाती,
पानी कल कल नही करता-,
पेड़ों की छॉव रूठ जाती है,
तब बच्चों की दुनिया टूट जाती है |

नामपुष्कर शुक्ल -
कक्षा 9 -अ

सपना

माटी जैसा तन है तेरा,
मन में उठा तूफ़ान है,
ज़िद है तेरी सपना नहीं,
साथ कोई अपना नहीं, यह कैसा अभिमान हैं |

सपना दिन में टूट जाता है,
रात अँधेरी तू अकेला ही बिताता है,
ज़िद पूरी होती है,ऐसा कहा जाता
जिससे कोई दूजा रूठ जाता है |

सपने को तू अपना बना,
उसको भी उसका मोल बता,
ज़िद में बदल दे सपने को,
रात का सारा खेल बता |
ज़िद है तेरी पूरी होगी,
किसी की मुराद न अधूरी होगी,
तू क्या माप रहा है दूरी,
वो भी कम हो जाएगी क्योकि उसकी भी मजबूरी होगी |

तू क्यों घबराता है,
ये तूफान भी दूर हो जाएगा,
हौसलों को बुलन्द रख,
उसका अभिमान भी चूर हो जायेगा |

नाम -अम्बर श्रीवास्तव
कक्षा -9 'स'

अध्यापक का महत्व

वह अध्यापक हैं--
जिसका हृदय ज्ञान का उद्गम
निर्मल सुविचारों का संगम,
भावुक मन प्रसून सा कोमल
कोयल सा मृदुभाषी प्रतिपल
अनुशासन-प्रिय पूजनीय वह
कर्मवीर तप- साधक हैं,
वह अध्यापक हैं ।

श्यामपट है उसका दर्पण
विनम्रता सुन्दर आभूषण
विमल चरित्र है जीवन का धन
सदभावों से पूरित तन-मन,
खड़िया मिट्टी से जो रचता
जीवन अति आकर्षक हैं ,
वह अध्यापक हैं ।

नैतिकता के पथ पर चलकर
भाव जगाता है समता का
जीवन के अंधियारे में जो,
दीप जलाता है विद्या का
देश प्रेम बंधुत्व भाव से
विलसित मार्ग प्रदर्शक हैं,
वह अध्यापक हैं ।

नाम -तुयशा सक्सेना
कक्षा 12 – स

मेरा विद्यालय

के .वी-.2 है मेरा स्कूल,
इसमें लगे हैं अनेकों फूल,
झूले, क्रिकेट खेल सुहाने,
पढ़ने में भी मन खूब लुभाते
धवल चौहान है मेरा नाम,
पढ़ना, खेलना, खाना मेरा काम
अपूर्वा मैम व मुकेश सर,
दोनों मुझकों खूब लुभाते,
जब भी मैं उदास दिखता,
खेल खिलाने मुझे ले जाते,
आओ मिलकर गाये एक ही गान,
शिक्षा है मेरा अधिकार ।

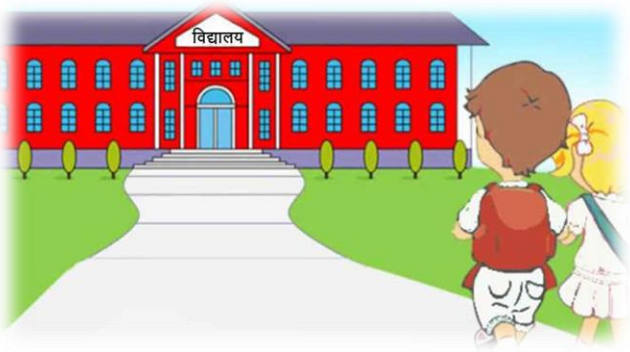

नाम धवल चौहान -
कक्षा -3 'स'

काश रोज़ ही सण्डे होता

मम्मी आज हमारी छुट्टी
प्लीज अभी सोने दो ना,
सुबह सुबह मीठी निंदिया में
थोड़ा सा खोने दो ना,
ले दे कर सण्डे मिलता है
थोड़ी मौज मनाने को ,
वरना मना कहाँ करते हैं
पढ़ने लिखने जाने को,
आँख मूंदकर चिंता सारी
सपनों में धोनें दो ना,
होमवर्क देती क्यों टीचर
कोई उनको समझाए,
संडे को हम खेलें- कूदें
खाते पीते दिन जाए,
ताले भीतर रख दो बस्ते,
लाकर नए खिलौने दो ना,
मम्मी आज हमारी छुट्टी
प्लीज अभी सोने दो ना,

नाम समायरा-खान
कक्षा 3 – स

लाल लाल सा प्यारा सेब-

लाल लाल सा प्यारा सेब-
सभी फलों से न्यारा सेब,
एक सेब जो हर दिन खाता
बीमारी को वह दूर भगाता,
मम्मी मुझको सेब दिला दो या
इसका जूस पिला दो |

नाम प्रतिज्ञा यादव -
कक्षा 4 -ब

बेटी

बेटी को पहले लोग जन्म देना ही पाप समझते थे,
लेकिन आज बेटी और बेटों को समान समझा जाता है |
आज की बेटी किसी बेटे से कम नहीं है,
वह हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाये हुए है
चाहे वह भी डॉक्टर, इंजीनियर हो या
आर्मी ,पायलट या फिर मनोरंजन जगत में
आज कल लोग बेटी को जन्म देने में भी नहीं झिझकते हैं
आज की बेटी शिक्षित तथा आत्म निर्भर हैं |

नाम- अदिति सिंह
कक्षा - नौवीं 'स'

ज़िंदगी

ज़िन्दगी एक चादर की तरह है जो लपेटे है
दुःख सुख की अनुभूतियों को,
ज़िन्दगी बिजली के तार पे लटके हुए ओस की बूंदे हैं जिसे प्रतीक्षा है
सूरज की पहली किरण की,
ज़िन्दगी रेत के उस टीले जैसी है
जो मरुस्थल से बना है,
जिसका बनना बिगड़ना निर्भर करता है
तेज हवाओं के झोंके पर,
ज़िन्दगी उस समुद्र के बुलबुले सी है
जो बना है वर्षा की बूंदो से,
जिसका बनना बिगड़ना निर्भर करता हैं
समुद्र की लहरों पर,

नाम केशव शुक्ल -
कक्षा 10 –अ

पानी बचाएँ बने महान

वो दिन जल्द ही आयेगा
जब धरती पर हर इंसान
बस पानी पानी चिल्लाएगा,
रुपये पैसे धन दौलत
कुछ भी काम न आयेगा,
यदि इंसान इसी तरह
धरती को नोच के खायेगा,
बच्चे बूढ़े और जवान
पानी बचाएँ बने महान
अब तो जाग जाओ इंसान
पानी में बसते है प्राण |

नामसाक्षी राठौर -
कक्षा 12 –स

माँ

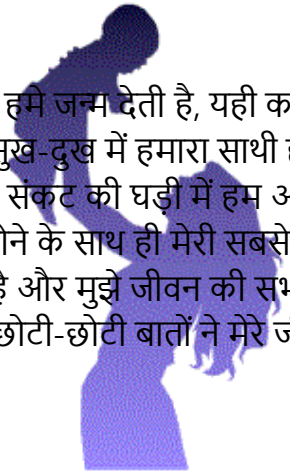

माँ वह है जो हमे जन्म देती है, यही कारण है की संसार की संज्ञा दी गयी है। यदि हमारे जीवन के शुरूआती समय में कोई हमारे सुख-दुख में हमारा साथी होता है। तो वह हमारी माँ ही होती है। माँ हमें कभी इस बात का एहसास नहीं होने देती की संकट की घड़ी में हम अकेले हैं। मेरी माँ मेरे जीवन की का आधारस्तंभ है, वह मेरी शिक्षक तथा मार्गदर्शक होने के साथ ही मेरी सबसे अच्छी मित्र भी हैं। वह मेरी हर समस्याओं, दुखों और विपत्तियों में मेरे साथ खड़ी रहती है और मुझे जीवन की सभी बाधाओं को पार मेरे साथ करने की शक्ति प्रदान करती है, उसके द्वारा बतायी गयी छोटी-छोटी बातों ने मेरे जीवन में बड़ा परिवर्तन किया हैं।

नाम- दक्ष वीर

प्रिय शिक्षक

शिक्षक हैं शिक्षा का सागर ,
शिक्षक बाँटें ज्ञान बराबर ,
शिक्षक मंदिर जैसी पूजा ,
माता पिता का नाम दूजा-,
प्यासोंको दते हैं पानी ,
शिक्षक हम सबकी जिंदगानी |
शिक्षक न देखे जात पात-
शिक्षक न करते पक्ष पात-,
निर्धन हो या हो धनवान ,
शिक्षक को सब एक समान ,
शिक्षक माझी नाव किनारा ,
शिक्षक डूबतों को दे सहारा ,
शिक्षक का है सदा ही कहना ,
श्रम लगन है सच्चा गहना |

यूँ बेलगाम न चल

ये रास्ते नहीं सीधे
ऐ जिंदगी बेलगाम न चल
न नक्शा हासिल मुझे न मंजिल का पता
न जिया हूँ आज न तय है कल मेरा
ऐ जिंदगी यूँ बेलगाम न चल
उम्मीद शाबाशी में बदलनी बाकी है अभी
यह तूफानों की गूंज जैसे मांगती है
पास मेरे बस अभी ख्वाबों सा बल
ऐ जिंदगी सँभलने दे मुझे
यूँ बेलगाम न चल |

नामख़ुशी -
कक्षा 9 -अ

अटल बिहारी वाजपेई जी

वे लिखते काल कपालों पर , लिखते थे, उसे मिटाते थे,
वे थे साहित्यिक राजपुरुष, जो गीत अकेले गाते थे ,
वे 'शक्ति विजय' के नायक थे, हिम्मत के अटल विजेता थे ,
परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र, वे प्रखर सूर्य से नेता थे |

यू एन में हिंदी में भाषण, या लाल किले का संबोधन ,
संसद में गरमागरम बहस, या राजनीति का उदबोधन,
उस अटल गूँज के आगे तो, पाषाण पिघल ही जाते थे,
जिनकी कविता के सुन्दर स्वर, श्रोता भी संग – संग गाते थे |

वे चन्द्रगुप्त चाणक्य यथा, अडवानी अटल जी साथ रहे,
वे एक नदी की धारा से, थे साथ रहे थे साथ बहे,

काजल की काल कोठरी में, जो कालिख से बच जाते हैं,
वे राजनीति की पारी में, अजातशत्रु कहलाते हैं |

वे कारगिल जय के नायक थे, जन जन के मौन के गायक थे,
वे राष्ट्रवाद के उन्नायक, वे राम राज्य के वाहक थे,
ठन गई मौत से थी उनकी, पर भीष्म बने वे डटे रहे,
क्रूर काल की कुटिल चाल से, है अंतिम क्षण तक जंग लड़े|

ये अटल नहीं है जीव कोई, ये तो जीवन की शिक्षा है ,
ले पुनर्जन्म फिर आओ तुम, हर प्राणी की इच्छा है,
युगपुरुष कर गया परायण, है राजनीति की कल कल में,
जो सदा जिया है, सदा जियेगा, जन जीव करोड़ों के दिल में

नाम- ख़ुशी मिश्रा
कक्षा- 12 स

शिक्षाप्रद दोहे

तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपयत चहुँ ओर |
बसीकरण यह मंत्र है, तज दे वचन कठोर ||

*

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय |
औरन को सीतल करे, आपहूँ सीतल होए ||

*

बोली एक अमोल है, जो कोई बोले जानि |
हिये तराजू तोलिये, तब मुख बाहर आनि ||

*

काल करै सो आज कर, आज करै सो अब |
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब ||

*

गुरु गोविन्द दोउ खड़े, काके लागू पाएं |
बलिहारी गुरु आपने , गोविन्द दियो बताये ||

*

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर |
पंछी को छाया नहीं, फल लागे आते दूर ||

*

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय |
टूटे से फिर ना जुरे, जुरे गांठ परि जाय ||

*

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजै डारि |
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि ||

नाम- प्रभात कुमार सिंह

कक्षा- 9 अ

जिले का वर्णन

शहर शाहजहांपुर बसता यूपी के दरम्यान,
कहू हकीकत इसकी सुनिए धर कर ध्यान ,
दक्षिण फर्रुखाबाद बरेली पश्चिम में लगता भाई ,
उत्तर पीलीभीत सुशोभित पूरब हरदोई मनभाई,
शारदा से लेकर गंगा तक लम्बाई मानी जाती है,
अडतीस मील केवल इसकी चौड़ाई नापी जाती है,
फिर बांटा जिले को 5 भाग में, बांटा है तहसीलों में,
तहसीलदार अधिकारी हैं, हैं भूमि के कार्य सभी इसमें,
15 जगह विभाजित कर, जनपद को पूरा बांटा है,
हो गया अधीन वी डी ओ के, ब्लाक वही कहलाता है,
23 थाने जनपद में, अधिकारी थानेदार बना,
जनपद की यही सुरक्षा बनी, गाँव में चौकीदार बना,
ले जाओ ध्यान फिर नदियों पर, बहती उत्तर से दक्षिण को,
बड़ी नदी हैं 7 यहाँ, अति पावन नाम है गंगा को ,
बरसाती नदियाँ 9 होकर, जनपद की शान बढाती हैं,
संज्ञा इनकी नालों की जो नदियों में मिल जाती हैं,
हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख यहाँ, इसाई भी कुछ रहते हैं,
हैं आपस में सबका प्रेमभाव, नहीं बैर किसी से करते हैं,
धरती की प्यास बुझाने को, नलकूपों की भरमार यहाँ,
उत्पादन क्षमता लाने को, तलब कुआँ और नहर यहाँ,
गल्ला उत्पादन प्रदेश में सबसे ज्यादा होता है,
अन्नदाता यू पी का होकर कृषकों की शान बढाता है,
चीनी उत्पादक यू पी का यह जनपद कहलाता है,
सरकारों की गिनती नहीं यहाँ, यह चीनीमिल चार गिनाता है,
है छोटी बड़ी रेलवे लाइन, जो लम्बी यात्रा वाली है,
बस मोटर कार की गिनती क्या जो जगह जगह रुक जाती है,
पशुपालन सदा जनपद की शान बढाता है,
कृषकों को लाभ सदा इनसे,बाद घी दूध की नदी बहाता है,
आबादी लगभग तीस लाख इस जनपद की कहलाती है,
एक शहर दस क़स्बा, जिसमें 543 ग्रामों की गणना आती है,
डिग्री कॉलेज 36 जनपद में, 250 मध्य मित्र कहलाते हैं,
500 जूनियर हाई स्कूल, बेसिक 3000 बतलाते हैं |

नाम : अलीशा बनो
कक्षा : 9 ब

वीर गाथा

इन् वीरों की गाथाओं में, आओ उस पल को याद करें,
उन बारूदों के शोर में, उस गर्जन को पर हम बात करें |
विनीत शौर्य के खेल पे, आंसू की न बरसात करें,
आओ उस पल को याद करें , आओ उस पल को याद करें |
उस बड़गाम की करें , जहाँ 40 लोग हमारे थे,
वो वीरगति को प्राप्त हुए, पर हजारों पर वो भारी थे |
तिथवल में छिपकर तलघर पे जब दुश्मन बम बरसा रहे थे,
घायल होक भी डटे रहे ऐसे कप्तान हमारे थे |
संचालन विजय को याद करें जहां उत्तम शौर्य दिखाया था,
बरूद नहीं था दुश्मन को हाथों से मार गिराया था |
कतंगा के उस हमले में जहाँ 90 दुश्मन आये थे,
निडर होकर उस वीर ने 40 खुद हत करवाए थे |
इन वीरों की गाथाओं पर हम थोड़ा सा हम अभिमान करें ,
आओ उस पल को याद करें, आओ उस पल को याद करें |

नाम राशिका आनंद :
कक्षा 12 :स

मूलमती बिस्मिल :- एक प्रखर देशभक्त

हमारी आज़ादी की लड़ाई का कोई भी सन्दर्भ असंख्य महिलाओं द्वारा निभाई गयी महत्वपूर्ण भूमिका की पहचान किये बिना पूर्ण नहीं होगा | जिसमे अधिकतम महिलाएं अशिक्षित एवं गरीब परिवारों की थीं और जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को अपना भरपूर समर्थन दिया था, जबकि उस समय महिलाओ को घर से बाहर निकलने पर भी पाबंदी लगाई जाती थी |
इतिहास में इन महिलाओ के योगदान को अंकित न करके उनके साथ बहुत ही अन्याय किया गया है, इनमे से एक थीं 'मूलमती बिस्मिल' |
भले ही अकेले उनके नाम से उनकी पहचान न हुई हो , लेकिन मूलमती क्रन्तिकारी राम प्रसाद बिस्मिल की माँ के रूप में स्वतंत्रता संग्राम की कहानी में एक प्रमुख स्थान प्राप्त करने में कामयाब हुई हैं | राम प्रसाद एक क्रन्तिकारी थे, जिन्होंने भारत में वर्ष १९२८ में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन किया था | जिसमें उनके साथ भगत सिंह, चन्द्र शेखर आजाद, अशफ़ाक उल्ला खां, राज गुरु और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शामिल थे | राम प्रसाद वर्ष १९१८ के प्रसिद्ध मैनपुरी षड़यंत्र और वर्ष १९२५ को काकोरी षड़यंत्र के मामलों में प्रमुख रूप से शामिल थे | उन्हें १९ दिसंबर १९२७ को गोरखपुर की जेल में फांसी दी गयी थी |
मूलमाती एक साधारण महिला थीं जो स्वतंत्रता आन्दोलन के संघर्ष में अपने बेटे का समर्थन करती थीं और वह अपने बेटे को फांसी पर चढ़ने से पहले उनसे मिलने के लिए गोरखपुर की जेल में गयीं थीं |
राम प्रसाद अपनी माँ को देख कर टूट गये थे, लेकिन वह स्तब्ध रह गयीं और वह अपनी प्रतिक्रिया में द्रढ़ थीं | उन्होंने अपने बेटे से कहा कि मुझे तुम्हारे जैसे बेटे पर गर्व है | उन्होंने अपनी माँ से कहा कि मेरी आँखों से आंसू मौत के डर से नहीं निकल रहे हैं बल्कि ये आंसू इसलिए निकल रहे हैं कि मुझे आप जैसी माँ नहीं मिल पायेगी | राम प्रसाद की म्रत्यु के बाद उन्होंने संकल्प कर लिया कि वह सार्वजानिक सभा के एक भाषण में अपने दुसरे बेटे को भी स्वतंत्रता आन्दोलन में शामिल कर देंगी |
स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविश्वसनीय समर्थन और विश्वास के बिना राम प्रसाद बिस्मिल को उस पथ पर आगे बढ़ना मुश्किल था जिसका उन्होने चुनाव किया था |

नाम : वेदांशी शुक्ला
कक्षा : 12 स

एक माँ का कश्मीर में फौजी बेटे से संवाद

फोन किया माँ ने बेटे को, तू ने नाक कटाई है,
तेरी बहना से सब कहते, बुजदिल तेरा भाई है,
ऐसी भी क्या मज़बूरी थी, ऐसी क्या लाचारी थी,
कुछ कुत्तों की टोली कैसे, तुम शेरों पर भारी थी |
वीर शिवा के वंशज थे तुम, चाट क्यों ऐसे धुल गये,
हाथों में हथियार तो थे, क्यों उन्हें चलाना भूल गये |
गीदड़ बेटा पैदा करके, मैंने कोख लजाई है ,
तेरी बहना से सब कहते, बुजदिल तेरा भाई है |
फौजी अपनी माँ से
इतना भी कमज़ोर नहीं था, माँ मेरी मज़बूरी थी,
उपर से फरमान यही था, चुप्पी बहुत ज़रूरी थी |
सरकारें ही पिटवाती हैं, हमको इन गद्दारों से,
गोली का आदेश नहीं है, दिल्ली के दरबारों से |
गिन गिनकर मैं बदले लूँगा –, कसम ये मैंने खाई है,
तू गुडिया से कह देना, ना बुजदिल तेरा भाई है |

नाम मोहम्मद बिलाल :
कक्षा 4 :अ

मीठे वचनों का महत्व

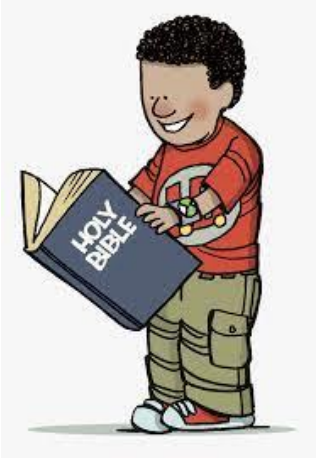

ईसा अपने भक्तों को मधुर वचन बोलने और सभीसे प्रेम करने की प्रेरणा दिया करते थे। वह कहा करते थे, वाणी का संयम कर लेने वाला व्यक्ति मित्रों और हितैषियों से घिरा रहता है, जबकि तीखा वचन बोलने वाला नए नए विरोधी पैदा कर लेता है। बाइबिल की एक कहानी के अनुसार दाऊद कहता है, 'हे वीर तुम किसी की निंदा क्यों करते हो? जो बिना सोचेसमझे बोलते हैं-, उनका अनर्गल बोलना तलवार के वार की तरह चुभता है। राजा सुलेमान कहते हैं, 'जीभ के वश मे है कि वह जीवन को दुखी बनाती है या सुखी। यदि जिह्वा से कटु वचन निकलते हैं, तो जीवन विद्वेष और विवादों में घिरने लगता है। इसके विपरीत यदि जिह्वा से मीठे वचन निकलते हैं, तो मित्रों से प्रेम मिलने लगता है। मधुर वाणी आदमी को हमेशा विवादों से दूर रखती है। यदि मनुष्य अपनी जीभको नियंत्रित कर सकता है तो वह अपनी देह को भी वश मे कर सकता है, ठीक वैसे ही, जैसे मुहं पर लगी लगाम घोड़े को नियंत्रण में रखती है।' नितिवचन में कहा गया है, प्रेम भरे वचन कहने और सुनने वाले दोनों व्यक्तियों का जीवन शांतिपूर्ण रहताहै। मनभाव वचन मधु से भरे छत्तों के समान मीठे होते हैं एवं शरीर व मन को स्वस्थ और शांत बनाए रखते हैं।

नाम- जूबिया खान
कक्षा- 8 स
अनुक्रमांक- 44

कहानी – शेर आया

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में बहुत शरारती बच्चा रहता था | वह गाँव जंगल के पास था | वह लड़का हर समय कुछ न कुछ शरारत करता रहता था | एक दिन वह लड़का रात में जोर जोर से चीखने लगा "शेर आया – शेर आया, बचाओ कोई बचाओ !" यह सुनकर सभी गाँव वाले डंडा लेकर आये | लड़का लोगों को देख कर हसने लगा और बोला "उल्लू बना दिया !" यह सुन कर लोगों को बहुत गुस्सा आया | अगले दिन उस लड़के ने फिर वही नाटक किया | ऐसा उसने लगभग 4 बार किया | अब लोग उसे बचाने नहीं आएंगे ऐसा लोगों ने कहा | एक आदमी अलग था उसने बच्चे को सबक सिखाने की सोची | उसे पता था इस रात वह लड़का फिर नाटक करेगा | तो उसने रात में शेर जैसे कपड़े पहन लिए और उस लड़के का इंतज़ार करने लगा | जब वह लड़का आया तब वह आदमी शेर के भेष में उसके सामने आ गया | लड़का बहुत डर गया और चीखने लगा "बचाओ कोई सच में शेर आया गया है !" लेकिन इस बार कोई नहीं आया | लड़का बहुत डर चुका था | तब वह आदमी उसके सामने आया और उसे समझाया कि झूठ बोलना बहुत गलत बात होती है | तब इस लड़के को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने सभी गाँव वालों से माफ़ी मांगी |

शिक्षा : हमें कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए |

नाम : उन्नति भोजवाल
कक्षा : 4 अ

क्रिकेट

क्रिकेट एक खेल है जिसकी शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी | क्रिकेट राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाला आउटडोर खेल है | इसे खेलने के लिए 11 खिलाडियों की दो टीम बनती हैं | क्रिकेट में बहुत सारे नियम होते हैं जैसे – रन आउट, हिट विकेट, कैच आउट, बोल्ड आदि | क्रिकेट में तीन अंपायर होते हैं दो अंपायर मैदान में होते हैं, और एक टीवी अंपायर होता है | क्रिकेट में खेल होने से पहले टॉस किया जाता है जिसमे जीतने वाला कप्तान यह निर्धारित करता है कि कौन पहले गेंदबाजी करेगा और कौन बल्लेबाजी | इसके बाद कप्तान अपनी टीम के खिलाडियों के नाम बताता है | उसके बाद खेल शुरू होता है | खेल खत्म होने के बाद जो खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है उसे मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिलता है | क्रिकेट में तीन तरीके के मैच होते हैं – वन डे मैच जो 50 ओवर का होता है, टी-20 मैच जो 20 ओवर का होता है, और टेस्ट मैच जो पांच दिन तक चलता है | टेस्ट मैच तब तक चलता है जब तक पूरी टीम आल आउट न हो जाये या जब तक कप्तान न कह दे कि यह सेशन ख़त्म हो गया | इसके बाद दूसरी टीम खेलती है अगर वह टीम पहली टीम से ज्यादा रन न बना ले | अंत में जो फाइनल में पहुँचता है और फाइनल जीतता है | यह मैच अलग देशों में होता है | हर साल आई पी एल – इंडियन प्रिमिएर लीग का खेल होता है, जिसमे अलग अलग देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं | इसमें हर टीम 14 मैच खेलती है जिसमे से 7 मैच जितना पड़ता है जिससे वह टीम सेमी फाइनल में पहुँच सके | इसमें पॉइंट टेबल होता है जो यह निर्धारित करता है कि कौन सी टीम सेमी फाइनल में हिस्सा लेगी | इसमें ऑरेंज कैप होती है यह कैप उस खिलाडी को मिलती है जो सबसे ज्यादा रन बनाता है | और पर्पल कैप उस खिलाडी को मिलती है जो सबसे ज्यादा विकेट लेता है | अंत में जो फाइनल में पहुँचता है और फाइनल जीतता है उसे इस पूरे सीज़न की ट्रॉफी मिलती है |

नाम : मानवेन्द्र सिंह
कक्षा : 9 अ

छोटी दीवार

मेरे किचन के पास एक छोटी सी दीवार है | अम्मी हर सुबह बर्तन साफ़ करके चावल के दाने और बचा हुआ खाना मुझे देती और मैं उस खाने को कटोरी में रख कर छोटी दीवार पर रख देती थी | मेरे खाना रखते ही तीन चार गिलहरियां रोज वहां आ जाती थीं और मज़े से खाना खाती थीं | उन्हें देख कर मुझे बहुत ख़ुशी होती थी |

कुछ दिन बाद मेरा बड़ा भाई एक बिल्ली का बच्चा मेरे लिए लाया | अब मैं और भी खुश हो गई | मैं रोज़ उसे दूध देती और गिलहरियों को खाना | मैंने उसका नाम रखा था 'शिंजो'| मुझे शिंजो और गिलहरियों दोनों से प्रेम था | मैं दोनों को उनका खाना समय पर देती थी |

धीरे धीरे शिंजो बड़ी होने लगी | एक दिन मैंने देखा कि जब गिलहरियाँ खाना खा रहीं थीं शिंजो ने उन पर हमला कर दिया |

बेचारी गिलहरियाँ जान बचा कर भागीं | उस दिन के बाद मैंने कई दिनों तक खाना रखा मगर कोई गिलहरी खाना खाने नहीं आई |

मुझे गिलहरियों की बड़ी याद आती है | पापा कहते हैं कि अगर तुम शिजो को छोड़ दो तो गिलहरियाँ फिर आने लगेगीं | मगर मुझे शिंजो से भी बहुत प्रेम है | अब कोई बताये इसमें मेरी क्या गलती है ? क्या मेरी दीवार पर अब गिलहरियाँ कभी नहीं आयेंगी ?

नाम: रिदा अली
कक्षा 4 :अ

मेरा भारत महान

मेरे देश का नाम भारत है। यह वह पवित्र भूमि है। जहाँ पर मेरा जन्म हुआ। यह विश्व का सबसे अच्छा देश है। यहाँ पर बड़े-बड़े ज्ञानी महापुरुषों तथा वीरों का जन्म हुआ है। यहाँ पर सब लोग प्रेम भाव से तथा मिल जुल कर रहते है। यहाँ हर धर्म,भाषा व संस्कृति के लोग रहते हैं। भारत देश कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक है। यहाँ पर गंगा, जमुना,ब्रह्मपुत्र और कावरी जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं। भारत एक ऐसा देश हैं। जो समय के साथ अपने आपको हर परिस्थिति में ढाल लेता हैं। भारत उनविकासशील देशों मे से एक है, जो सबसे जल्दी तरक्कीकी सीढियाँ चढ़ रहा है। हम सबको अपने भारतीय होनेपर गर्व महसूस होता है। अंत में मैं यही कहना चाहूंगाकी सही मायनों मे भारत महान हैं।

नाम-आस्था वर्मा
कक्षा-सप्तम 'स

सब है मुझे जानते

सब हैं मुझे जानते मेरे है, पृथ्वी पर कई ठिकाने मुझसे करते सब अनुराग, मैं न करता किसी को हानि मैं हूँ एक बड़ा संसाधन मुझमे रहते कई प्राणी मैं हूँ जंगल मेरे बिना न यह अवनि।
सब हैं मुझे जानते, अकसर मैं बनता ताज़ा खबर मुझमे लगती भीषण आग मेरे मित्र जानवर बनते खाक छोड़ देते मेरा साथ पर मेरी बचती केवल राख मैं हूँ जंगल मेरे दम पर ही तुम लेते साँस ।
सब हैं मुझे जानते, मेरे है कई भेद ठंडे जलवायु मे शंकुधारी, उष्ण जलवायु मे सदाबहार पेड़ ही है मेरे अंग, मानव करते इनपे प्रहारमैं हूँ जंगल मेरे बिना न यह संसार ।
सब है मुझे जनते, मानव करता मेरा उपयोग वह लाते कई औज़ार मेरी भूमि पर करते खनन मुझसे निकालते गैसोलीन, कोयला, लोह तथा पैट्रोलियम मैं हूं जंगल मेरे बिना 'न कोई' ईंधन

नाम- अहमद
कक्षा 7 'स'

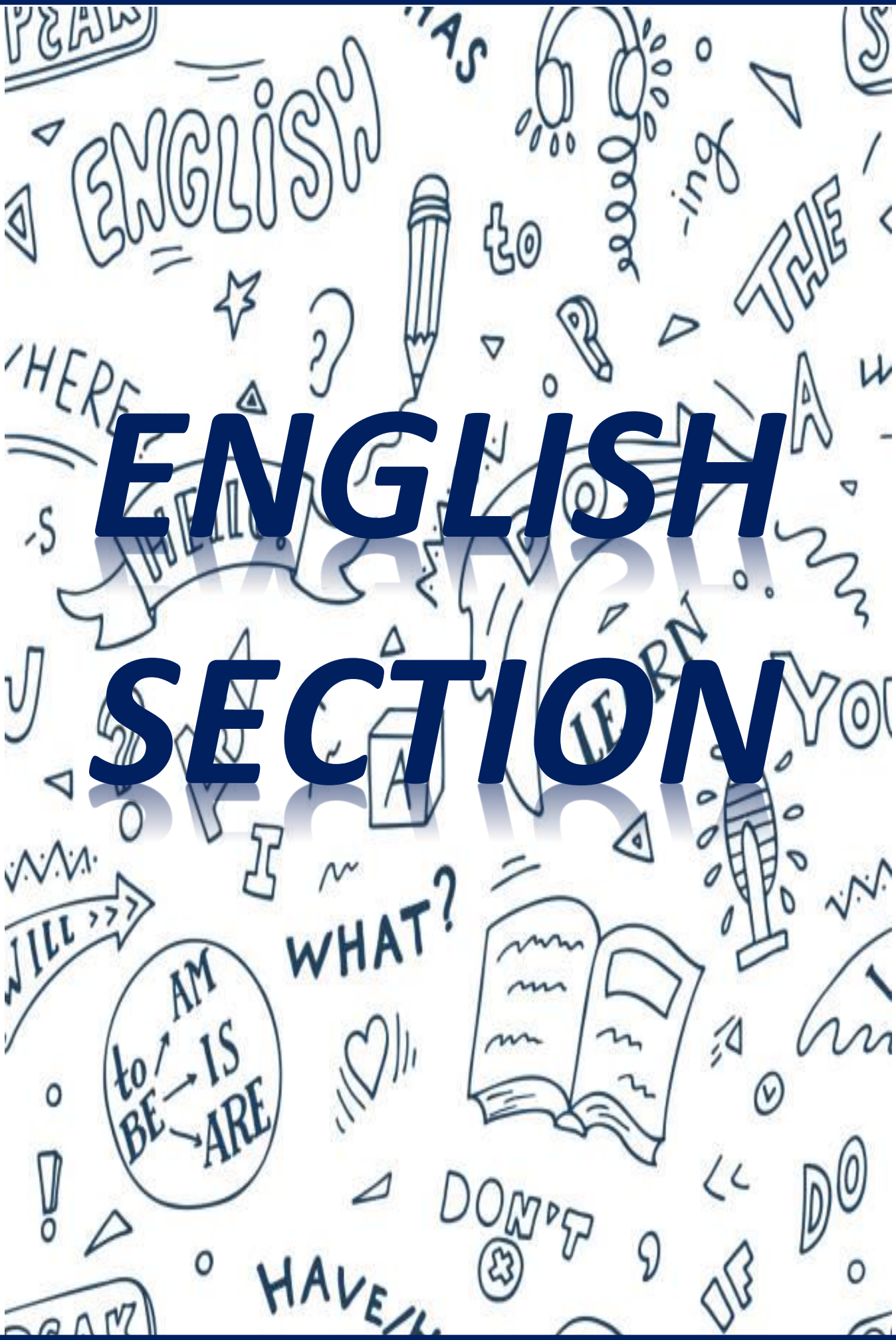

ENGLISH SECTION

To Achieve Your Dreams: Remember 'A' to 'Z'

A- Avoid negative sources, people, places, things and habits.
B-Believe in yourself.
C-Consider things from every angle.
D-Don't give up and don't give in.
E-Enjoy life today. Yesterday is gone, tomorrow may never come.
F-Family and friends are hidden treasures, seek them and enjoy their riches.
G-Give more than you planned to.
H-Hang on to your dreams.
I-Ignore those who try to discourage you.
J-Just do it.
K-Keep trying no matter how hard it seems. It will get easier.
L-Life is a dream realize it.
M-Make it happen.
N-Never lie, cheat or steal, always strike a fair deal.
O-Open your eyes and see things as they really are.
P-Practice makes perfect.
Q-Quitter never win and winners never quit.
R-Read, study and learn about everything important in your life.
S-Stop procrastinating.
T-Take control of your own destiny.
U-Understand yourself to better understand others.
V-Visualize it.
W-Want it more than anything.
X- Accelerate your efforts.
Y-You are unique of all God's creations, nothing can replace you.
Z-Zero in your target and go for it.
Good luck!!

Mrs. Ritu Varshney
Primary teacher

Nature's Music

I love nature's music,
And summer time songs…
In the forest her great singers
Gather in throngs….

The wind plays the harp,
And the birds take the tune
The bass part is sung
By the man in the moon,

Each one known their part
To the very last letter,
And even our radio
Doesn't sound any better.

Name : Vidit Saxena
Class : 9 A

MY TREASURE

You are the one who feels pride with whatever I achieve,
You are the one who gives me the hope in whatever I believe,
You are that person who picks me up whenever I fall,
And whenever life throws at me curved balls you are that person I always call,
I fly,I fly because I know that you will always be by my side
and pick me up whenever I fall,
I want you to know that even if you live on the other side of the globe
we will never grow apart until death do us apart,
You are my father and I love you for evermore.

Astha Rai
Class-10th 'A'

10 QUOTES BY GAUTAM BUDDHA

1)"Quiet the mind and the soul will speak."
2)" If your comparison does not include yourself, it is incomplete."
3)"If you find no one to support you on the spiritual path, walk alone."
4)"Three things cannot be long hidden: the sun, the moon, and the truth."
5)"It is better to conquer yourself than to win a thousand battles then the victory is yours. It cannot be taken from you."
6)"The root of suffering is attachment."
7)"No matter how hard the past, you can always begin again."
8)"To conquer oneself is a greater task than conquering others."
9)"A disciplined mind brings happiness."
10)"Give, even if you only have a little."

Akshay Kumar Verma
Class- 9th 'A'

EVERYTHING MOM

The one that's always been there,
right from the very start…..
With love, with hope, with guidance,
you taught me from your heart….
It's only now I realize, you sacrificed your hand,
to give me life and watch me grow and now I understand,
A mother's love is precious,
A mother's love is true…
and I will always feel so blessed
because my mother is you….

Dhruvi Trivedi
Class-9th 'B'

Freedom for women

They say
I am free like a bird
But I need to trim my wings
And alter my fight…..
They say
I am free like air
But I need to watch my speed
And see where I am heading….
They say
I am free like a cascade
But I need to see how and
Where I am falling
Yes, they say I am free
Free to fly, flow and blow
Yes,I am free
Refrained free…..

Name: Sana
Class- 10'A'

Artificial Intelligence

The computer
is getting smarter,
and soon will be able
to solve world's problems,
But how will my eighty year old
grand mother feel when,
instead of me calling to ask how
she's doing,
and makes her laugh
with a joke from my childhood,
she gets a call from a robot,
with my voice,
who sounds like me,
but doesn't quite have the same humor,
will it help to cure her loneliness?
Or lesson my guilt for having had
a robot do what I should do?
in the name of saving time
and being more efficient.

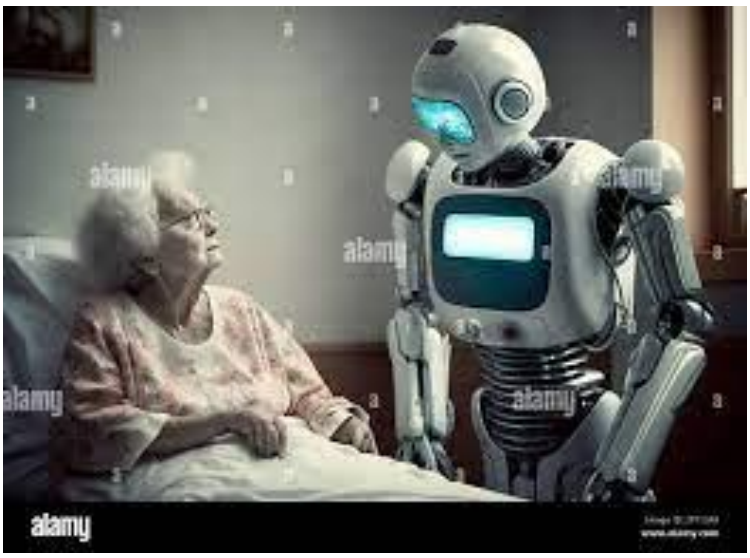

Astha Rai
Class-10th 'A'

CHALLENGES AND CHANGES

Life is a beautiful journey and its every moment is a celebration. But always remember that there will be challenges to face and changes to make in your life and it is up to you to accept them. There may be days when things aren't the way you hoped they would be, but that's when you have to tell yourself that things will get better. You have to accept those changes and challenges and moved ahead. You have to take those changes and challenges in a positive way and then you will find a stronger sense of who you are. These stronger sense of who you are. These challenges and changes will take you one step closer to your dream. So enjoy every challenge in your life because challenges are not just to survive but thrive.

Face every challenge in your life,
Accept every change in your life,
Because challenges and changes will only help you to find,
the goals and dreams you know are meant to come true for you…

Tanisha Verma
Class-10th 'B'

DON'T GIVE UP

When the darkness comes in your life,
everything become difficult,
you don't have a choice.
Don't give up on yourself its your only life,
overcome these difficulties with a smile.
The life is hard but also has beautiful sides,
sadness and happiness are siblings of life.
When your eyes are filled with tears,
you should give a smile.
Night is long but
Sun will shine after every long night.

Tanishka Verma
Class-10th 'B'

MY LIFE IN SCHOOL

Schools are of ten times funny,
They are like pieces of candy…
Some are nutty and some are tough,
Some are gritty and not sweet enough..
Some are fancy and full of surprises,
Some are plain and in different sizes.
Some are with wrappers coloured very bright…
But the inside does not taste all right,
Some may see school as a torture chamber…
Some cannot wait for the holidays in December….
But it depends on how we took at school
honestly, positively, school is cool!

Name- Shumaisa
Class-6th 'A'

SAVE WATER

Water is the most important resource in our lives, as you may already know. There is water in the oceans, rivers, seas, ponds, lakes etc. which are all over the earth because more than 70% of the earth's surface is just water. If the water on our planet ever runs out, it would be very bad for humans, plants as well as animals. All livings beings are dependent on water plants need water to grow, animals and humans need to drink water to survive, aquatic animals live in water, so they will die if there is none. Thus, if the water on the planet gets over there will be on future for any of us. This is the reason why we need to save water. We can save water in many ways, including by taking shorter showers or using a bucket to have a bath instead of a shower, making sure to close the tap properly after using it.

It is a must to remember that our planet, planet Earth, is our home. We all know how important it is keep our homes clean and nice, and we also have to do the same for earth. We must protect earth in whichever way we can, and saving water is one of them.

Name- Mayank
Class- 9th 'A'

Space

Do you know?

1)Mars has the tallest volcano,named Olympus Mons , of all the volcanoes in our solar system. It is three times that of Mount Everest.

2)The first living creature, a dog named Laika, was carried into the orbit by sputnik on 2 November 1957.

3)The USA launched its first satellite, Explorer 1 in Jan 1958.
Just three months after the Soviet Union first launched its successful satellite.

Aradhya
Class-7th 'B'

The talkative Boy

Once upon a time but not so very long ago, there was a small boy called Rahul. Although he wasn't very tall, he was very tiny boy in his class, his class, but he talk very much some time he get scolded by the teachers because he does not stop while talking. His mother and father were very upset. They tried many things So that Rahal would talk less but they failed, so they went to Rahul's favorite teacher. Rahul's father told their problem. The teacher smiled and said that from next day Rahul will not talk more. Next day when Rahul entered in his class again started talking more. Then his teacher said you are a talkative boy.

Name: Aramta
Class: IV 'A'
Roll no: 19

Poem On Gandhi Ji

Father of our Nation,
He is our Mahatma,
The man of honesty,
The man of Greatness.
Great leader Gandhi Ji,
We all call you Bapu Ji!

Name = Arnov singh
Class = IV 'A'
Roll no = 15

WILD LIFE

WE ARE CUTE AND SMALL ANIMALS
WE ARE PET AND WE ARE WILD.
IF YOU TEASE US WE WILL HURT.
MR. HUNTER MR. HUNTER
DON'T HURT US SAVE US, SAVE US,
WE HAVE A LIFE LIKE YOU.
AND PLEASE DON'T CUT THE JUNGLE,
BECAUSE JUNGLE IS OUR HOME.
PLEASE DON'T USE PHONE BEACAUSE PHONES' VIBRATION HURT US.
IMAGINE YOU ARE A ANIMAL, PEOPLE TEASE YOU.
WHAT YOU FEEL? IF HUNTER CATCH YOU AND YOU WANT TO ESCAPE FROM HIM.
SO, YOU FEEL VERY BAD, LIKE YOU, WE FEEL VERY BAD AND 'PLEASE SAVE WILDLIFE'.

Name : Anupriya verma
Class: V C
Roll no: 9

THE GAGANYAAN MISSION

The Gaganyaan mission is India's First Human Space flight Programme. This Programme will make India the fourth nation in the world to launch a Human Space flight mission, only after The USA, Russia and China. It aims to send a three-member crew to space for a period of Five to Seven days.

The Gaganyan mission was initially announced in 2018 targeting a launch in 2022 but due to pandemic induced delays, India's maiden manned space will only launch by the end of 2024 or early 2025.

The crew will be selected by Indian Air force (IAF) and ISRO jointly after which they will undergo training for two-three years. The spacecraft will be placed in a low earth of 300-400 km. The first trial unscrewed flight for Gaganyaan is being planned by the end of 2023 or early 2024.

NIKHIL KANT RAJPUT
XII-B

SUCCESS

S -> See your goal
U -> Understand the obstacles.
C -> Create a positive mental picture
C -> Clear your mind of self doubt
E -> Embrace the challenge
S -> Stay on Track
S -> Show the world you can do it

Don't lose your strength
That will help you to achieve your goals,
Don't lose hope,
Even if it take a toll,
You will be able to achieve success.
Working hard to achieve it
Working on the slow process
Exasperating all my nerves,
fighting through the demons
negativity
&
meeting the angels of positivity
Wishing to them that one day
I will meet my sentence.

NAME- -Pragya Singh
CLASS-XII-D

The Owl & the Chimpanzee

The owl and the chimpanzee went to sea
In a beautiful boat called the Mind
The owl was sensible, clever & smart
The chimp was a little behind
The owl made decisions, based on facts
And knew where to steer its ship
The chimp reacted a little too fast
And often the boat would tip
The waves would come & crash aboard
The chimp would start to cry
Large tears would roll right down his face
Afraid that he would die

The Chimp & the owl would wrestle at night
When the world was quiet & still.
The chimp would jump up & rock the boat
And the boat would start to fill
Then the owl stepped in & grabbed pail
And started to empty it out.
And the chimp would start to get quite cross
And would often scream & shout
The battle continued night after night
Until the chimp started to see.
That if it let the owl take control.
A more peaceful night it would be
(Author-Jo Camacho)

Name- Anshika
Class- XII 'B'

Inner Child

How can I, How can I?
Find my inner child?
The road not taken sums so wide
I don't know, I don't know,
Where to find, do I've to fight?
I was all fine then one day I closed my eyes.
I don't know myself, I don't know where am I!
Whom I trust and on whom to rely?
All alone between heaven and hell.
When will my earth evolve elliptical again,
How can I,How can I
Find my Inner child...

Name- Medhavi Singh
Class- XII-A

AI Voice

AI voice, what it is? How it is created? Do you know you can use them to transform the way you communicate and express yourself "online"? As AI technology continues revolutionizing the world. We all communicate with each other. These are just of the questions on our mind. And these are the topics, I aim to address in this article.AI is a synthetic voice which mimic human speech using Artificial Intelligence (AI). They can be used by converting text to speech by using online AI Voice.How is an AI voice created? First of all the synthetic voice process is different than voice cloning, people generate voices using AI, It requires a lots of data to feed the machine. They start by giving them scripts to read from & recording them to get specific combination of sounds & words for AI models. A sound designer takes these voices & transfer them into characters which includes adding dynamic effects, filters & music beats.

AI has become better & better throughout the time, Karean sir has also begun to voice activated digital assistants.
Although voice AI is fun way to communicate, sung a song, reciting a speech, pull a prank. We should always keep in mind that original is better than copy. People can also take advantage of this technology in negative way, so we should always be aware about what's happening around the world &never trust anything blindly.

Name: Medhavi Singh
Class: XII A

Why Me?

If you have to ask why Me?
When you're feeling really bad,
When the world has turned against you.
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the Mood's a winding mess,
And you're feeling more confused
Than you ever could Express,
When the saddened sun won't shine,
When the stars will align,
When you'd Mather be
Inside your bed,
The covers pulled,
Above your head
When life is something
That And you dread
And you have to ask Why me?
Then when the world seems right & true,
When rain has left a gentle dew,
When you feel happy being you,
Please but yourself Why Me? then, too.

Name- Juhi Juneja
Class XII D

What is Life?

Life seems like a Song if you follow the path of Devotion.
If life Seems like a game, bring discipline at every step
Life Seems like Yoga,
If you become antaryami.
If life is a garland of dreams,
Singit like music
If life is a mixture of happiness and Sorrow,
Don’t know the difference between them
Change the definition at every Step and recognize yourself.
The one who gets through hard work,
Then only that should be known as the best deed.
Life lived in Struggles
Only those who did not understand should know.

Name: Anshuman Shakle
Class: XII D

Streams

We live in a country where the streams decides whether a person is intelligent or dumb.
Different minds, different personalities,
Different child, different qualities.

But everything is defined by the choices they make,
Are people only described by their mistakes?
Interests is also something that matters,
But humans see only the one who is better.
10th is an important class,
After which starts ajourneythat lasts.
We all have passed the same class,
But still science is first and Arts is last.
Subjects are always tough, for the one who doesn't give enough.
But how can a stream explains someone's mindset, this truth is a 'teen' threat.
Dates of history are harder than learning the diseases name,
But still science is tough and Arts is same.

Name: Tanishka Saxena
Class: 12th 'B'

An Amazing Platform, "Mathematics"

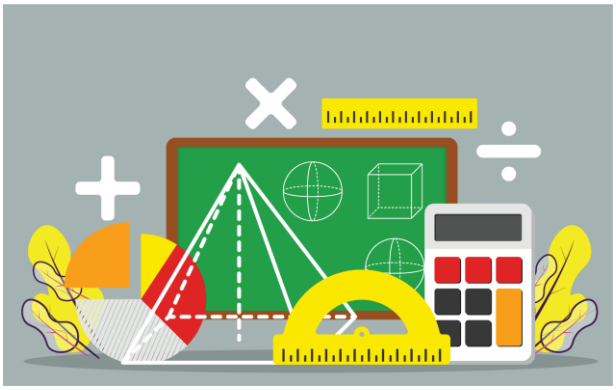

Mathematics consists of proving the most obvious thing on the least obvious way.In mathematics, you don't understand things. It is a hard thing to love. A quote by Ramanujan about Mathematics is - "Mathematics is not about numbers, equations, computations or algorithms; it is about understanding.

"Without Mathematics, there's nothing you can do". It is so powerful because It helps us to understand the world around us. Mathematics can be used to explain many of the phenomenon which we observe in the world around us.

After all, mathematics forms the basis of many other natural sciences. From the laws of Physics to creating models in Biology, Mathematics enables us to describe various processes in a systematic & rational manner.

Therefore,

"MATHEMATICS GIVES US HOPE THAT EVERY PROBLEM HAS A SOLUTION"

Name: Anshika
Class: XII 'B'

IMPLOSION OF TITAN SUBMERSIBLE

On June 18,2023, the Titan Submersible set off on it fateful dive to the Titanic wreck in the NORTH ATLANTIC OCEAN: It carried a total of five passengers....

Around 1 hour and 45 minutes into the dive communication between the Titan Submersible and the support ship was lost Concerns were raised when the submersible failed to resurface on time. A search and rescue operation involving the US Coast Guard, US Navy, and Canadian Coast Guard was launched. A remotely operated underwater vehicle (ROV) discovered a wreckage field containing parts of the Titan submersible, approximately 500 meter from the Titanic's bow. After four days of intense searching.

FUTURE PLANS AND LESSONS LEARNED

The Titan submersible's collapse serves as an awful warning of the ricks of deep-sea exploration. It draws attention to the significance of putting safety first while pushing the boundaries of scientific discovery. The incident has undoubtedly had a long-term impact on Ocean gate the deep-sea Exploration industry as a whole, prompting a reevaluation of safety protocols and a renewed commitment to protecting the lives of those involved.

Deep-sea exploration has a promising future ahead of it. While the Titan Submersible's implosion was a devasting setback, it won't stop us from exploring the ocean's mysteries in the future. By learning from our mistakes and embracing a culture of safety and innovation, we can forge a path to new discoveries.

NAME: GOPAL VERMA
CLASS XI B.

The Magical Dance of the Northern Lights

Introduction

The Northern lights, also known as the Aurora Borealis, are a breathtaking natural Phenomenon that lights up the night sky in the northern regions of our planet. This awe-inspiring display of vibrant colours and shimmering lights has captured the imaginations of people for centuries.

Description

The Northern lights occur when charged Particles from the sun collide with atoms in Earth's atmosphers. These particles create a mesmerizing light show that can be seen in countries like Norway, Sweden, Canada, and Iceland. The colours of the Norther lights can vary, but most common one are Green, Pink and Purple.

Imagine standing under a dark sky, and suddenly streaks of gueen and purple start dancing acroon the heavens. The lights move and swirl, creating waves of luminous beauty. It's as if the sky itself has come alive with vibrant Energy. Many people travel from all around the world to witness this enchanting spectacle. They brave the cold temperatures and patiently wait for nature's dazzling performance to being. Photographers try to capture the magic on camera, while others simply gaze up in wonder, mesmerized by the celestial ballet.

Conclusion

The norther Lights are a reminder of the awe- Inspiring wonder our planet holds. Their beauty and mystery leave us in awe and remind us of the vastness of the universe, whether you are fortunate enough to witness them firsthand or admire them through photographs and videos, the Northern lights are a testament to the stunning artistry of nature. So, keep your eyes on the night Sky and be ready to witness one of the most breathtaking spectacles our planet has to offer.

Name: Aarohi Singh
Class: XII B

Climate Change

Climate Change, an issue widely affecting all those residing on planet Earth. The Climate has flactuated naturally throughout the world's history. People around the world are already experiencing the consequences, from more intense heat waves to using sea levels and global warming. Since the start of the Industrial Revolution the burning of fossil fuels has resulted into global warming. Excessive use of what earth has to offer and never returning mindset of the generation has lead us to a global average temperature increase of 1.1^0C. This might not sound a big change to you but it has already had a huge effect on the environment. Impacts so far include extreme weather such as heatwaves, drought and floods. Rapid melting of glaciers and ice layers contributing to sea level rise. People's lives are already changing as a result. Discussions and dileberations don't create a change at the mainstream basic level but it certainly does affect what people will know and think about the issue now and in the coming time. In order to have a healthy and servivable environment, we have to live sustainably, we need paradigm in own relationship with the nature and that according to me, we can nelearn from the indigenous people. Every change begins with one person and then an army joining in so what makes me hopeful for the future is "US". The people who are on the mission to make a change, to play their part in the world, to make this word a better place, the people who care and fight for it. One day the charge will be seen.

Name: Apurva Tripathi
Class: XII 'A'

Life is an Examination

God is the greatest examines,
we all are examiners,
life is an answer book,
The World is a hall.
where we sit and take the exam.
The time allowed is 3 hours,
The first bell rings in childhood
The second ring ith youth,
And the third in the old age.
By a message from the God, the exam is over,
and the Copy is stretched
life then meets an end.
if we fail we will come back
if we pass we find eternity
and permanent heaven.

Name: Khushi Mishra
Class: XII 'C'

DISCIPLINE

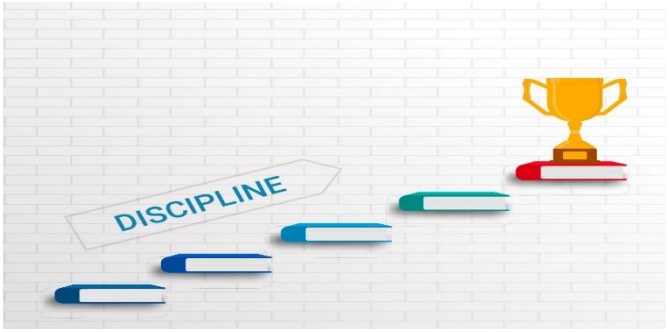

Discipline refers to following a proper order to do something. In other words, discipline is a way to keep yourself and your actions in check. It is a key part of becoming a good person is important our daily life. It also means meeting all your deadlines and responsibilities on time. It is the way we act that helps us stay focused, dedicated, on time and committed to our goals. Our family and schools helps committed us to learn what discipline really means. Discipline maker a human a better person in general.

When a person is in school, discipline is one of the most important things that determine how well they do in the future. It keeps student active, motivated, stress-free, focused. If you lack it in your academic life, you won't be able to create goals for yourself or perform well in your studies. A good career begins with student life and a good student life requires well- discipline

It also helps you feel better about yourself, which is important for a student. A student can only do well in school and have a successful careen if he is disciplined.

Name: Vansh Kukreja
Class: XII-D

Success

Take time to work;
It is the price of Success.
Take time to think;
It is the source of power.
Take time to play;
It is the secret of perpectual youth.
Take time to read;
It is the foundation of knowledge.
Take time to share;
Life is too short to be selfish.
Take time to laughty;
Laughter is the music of the soul.
Take time to love and be loved;
Love gives life meaning.
Take time to be friendly;
It is the road of happiness.
“whatever you choose to do in life……
Do it with all of your heart"

Name: Gungun Rathore
Class: XII D

Growing Footprints of Asia's Economic tiger: INDIA

India, one of Asia's economic tigers, is making significant strides in its journey towards becoming a global power house. With a GDP of over $3-5 trillion and an average growth rate of 6.7%, India's economic footprints in expanding rapidly.

The services sector has been a key driver of India's economic success, with information technology and business process outsourcing leading the way. India's software industry is renowned globally, attracting clients from around the world. Additionally, the "Make in India" initiative has bolstered the manufacturing sector, attracting foreign investments and promoting domestic production capabilities.

FOI inflows into India have been consistently increasing, reaching a record high of $84 billion. This highlights the confidence of global investors in India. Furthermore, India's young workforce, with a median age of 29, presents a demographic advantage. This demographic dividend is fueling productivity, innovation and attracting global companies.

India's growing economic influence as an Asian tiger is reshaping the global economic landscape. India is emerging as a key player in the world economy.

Name: Saksham Gupta
Class: XII D

Trees

Trees, trees, trees.
Trees give us oxygen free
Trees trees trees.
Trees give us food
Trees give us wood
Trees tress trees
Trees give us shelter
and protect us from swelter

Name: Aliza Mairaj
Class: 3A

संस्कृत अनुभाग

अस्माकं देश:

भारतवर्ष : अस्माकं देशः अस्ति । अस्य भूमि: विविधरत्नानां जननी अस्ति । अस्य प्राकृतिकी शोभा अनुपमा अस्ति । हिमालयः अस्य प्रहरी अस्ति। एषः उत्तरे मुकुटमणिः इव शोभते । सागरः अस्य चरणौ प्रक्षालयति अनेकाः पवित्रतमाः नद्यः अत्र वहन्ति । गङ्गा, गोदावरी, सरस्वती, यमुनाः प्रभृतयः नद्यः अस्य शोभां वर्द्धयन्ति । अयं देशः सर्वासां विद्यानां केन्द्रम् अस्ति । अयं अनेकप्रदेशेषु विभक्तः । अत्र विविध धर्मावलम्बिनः सम्प्रदायिनः जनाः निवसन्ति अस्य संस्कृतिः धर्मपरम्परा च श्रेष्ठा अस्ति । अयं भू-स्वर्गः अपि वर्तते। ईश्वरस्य अवताराः अस्मिन् देशे सञ्जाताः सङ्कटकाले वयं क्षुद्रभेदान् परित्यज्य देशहितं चिन्तयामः । विशालं भूमण्डलं व्याप्य अयं देशः एशिया महाद्वीपस्य अन्यतमः राष्ट्रः सञ्जातः वयं सदा स्वराष्ट्रस्य रक्षां कर्तुम् उद्यताः स्यामः । कथितमस्ति - "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।

तेजस्वी
कक्षा – 7 ब

कार्यं सहसा न कर्तव्यम्।(लोककथा)

एकस्मिन् ग्रामे एक महिला वसति स्म। सा एकं नकुलं पालयति स्म। नकुलस्य विषये तस्याः बहुप्रीतिः आसीत्। महिलायाः एकः शिशुः अपि आसीत्। तस्याः गृहस्य समीपे जलं न आसीत्। जलम् आनेतुं सा दूरं गच्छति स्म।एकस्मिन् दिने जलम् आनेतुं सा अगच्छत्। गृहे कोऽपि न आसीत्। तस्याः शिशुः निद्रितः आसीत्। महिला बहिः गता। तदा एकः सर्पः गृहम् आगतः। नकुलः सर्पम् अपश्यत्। सर्पः शिशुसमीपम् अगच्छत्। नकुलः तत्क्षणे एव सर्पस्य उपरि अपतत्। क्षणमात्रेण एव सः सर्पम् अमारयत्। महिला जलं गृहीत्वा आगता। नकुलस्य मुखं रक्तमयम्। सा अचिन्तयत् अयं नकुलं मम शिशुम् अखादत्। अतः एव अस्य मुखं रक्तम्। सा तत्क्षणे एव एकं शिलाखण्डं नकुलस्य उपरि अक्षिपत्। नकुलः मृतः। अनन्तरं सा गृहस्य अन्तः गता। तत्र शिशुः क्रीडति। तत्रैव मृतं सर्पम् अपश्यत। सा बहु दुःखिता अभवत्। अविचारेण मया नकुलः संहृतः इति सा पश्चात्तापेन पीडिता अभवत्। अतः किमपि कार्यं सहसा न कर्तव्यम्। विचारं कृत्वा एव कर्तव्यम्।

मानवेन्द्रः
कक्षा -9 अ

गायत्री मंत्र का अर्थ और व्याख्या

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

ॐ = हम सब की सहायता करने वाला ईश्वर कण कण में उपलब्ध है।
भू = धरती जो कि पूरी दुनिया की जिंदगी का आधार और प्राणों से भी अति प्रिय है।
भुवः = बिना किसी दुख के, जिसके साथ रहने से सभी प्रकार के दुख खत्म हो जाते हैं।
स्वः = वह जो खुद अपने आप में ही पूरी सृष्टि को धारण करते हैं।

तत् = उस भगवान के रूप को हम सभी
सवितु = जिसने पूरी दुनिया को बनाया हुआ है।
वरेण्यं = जो स्वीकार करने के लायक सर्वश्रेष्ठ है।
भर्गो = साफ और पवित्र स्वरूप और पवित्र करने वाला चेतन स्वरूप है।
देवस्य = ईश्वर के समान जिसे सब प्राप्त करना चाहते हैं।
धीमहि = धारण करें
धनिया = बुद्धि को
यो = जो देव परमात्मा
नः = हमारी
प्रचोदयात् = प्रेरित

मनत्सा
कक्षा- 7 ब

गीता अमृतम्

1 नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत ॥

2 कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

3 यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

4 परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे – युगे ।।

5 क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

उजैर
कक्षा – 8 अ

जय वृक्ष! जय वृक्ष

श्रूयताम् सर्वे वृक्षपुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम्।

वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं बहुदूरम्।।
मूलेपी अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,
काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम्,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम्।।

पुष्पम् सुन्दरम्, अतीव मोहकम्,
पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम्।
फलम् रसमयं, तस्य फलं स्वादपूर्णम्,
फलम् हि अस्ति रे खगस्य अन्नम्।।

जलवातप्रकाशैः निर्माति अन्नम्,
तेन हि अन्नेन वर्धते नित्यम्।
वृक्षस्य दृश्यताम् सर्वम् हि कार्यम्,
जीवनं तस्यास्ति परोपकारार्थम्।।

वृक्षे हि कुर्वन्ति विहगाः नीडम्,
केचित् तु कुर्वन्ति काष्ठे हि छिद्रम्।
आतपे तिष्ठति वर्षानुवर्षम्,
अन्येषां करोति छायाप्रदानम्।।

वृक्षो नैव अत्ति रे स्वकीयं फलम्,
सर्वम् हि अंगम् तस्य लोकहितार्थम्।
जनाः न स्मरन्ति तस्य उपकारम्,
बहुधा कुर्वन्ति वृक्षच्छेदनम्।।

मास्तु रे मास्तु ईदृशं पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्',
सर्वे हि कुर्वन्तु तद्संवर्धनम्।।

गुनी वाजपेयी
कक्षा – 10 स

नीति श्लोका:

1. देवो रुष्टे गुरुस्त्राता गुरो रुष्टे न कश्चन:।
गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः।।

भावार्थ: देवताओं के रूठ जाने पर गुरु रक्षा करते हैं, किंतु गुरु रूठ जाए, तो उस व्यक्ति के पास कोई नहीं होता। गुरु ही रक्षा करते हैं, गुरु ही रक्षा करते हैं, गुरु ही रक्षा करते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। इसका मतलब यह है कि अगर पूरा विश्व व भाग्य भी किसी से विमुख हो जाए, तो गुरु की कृपा से सब ठीक हो सकता है। गुरु सभी मुश्किलों को दूर कर सकते हैं, लेकिन अगर गुरु ही नाराज हो जाए, तो कोई अन्य व्यक्ति मदद नहीं कर सकता।

2. अनादरो विलम्बश्च वैमुख्यम निष्ठुर वचनम।
पश्चतपश्च पञ्चापि दानस्य दूषणानि च।।

भावार्थ: अपमान व अनादर के भाव से दान देना, देर से दान देना, मुंह फेरकर दान देना, कठोर व कटु वचन बोलकर दान देना और दान देने के बाद पछतावा करना। ये सभी पांच बातें दान को पूरी तरह दूषित कर देती हैं।

3. अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

भावार्थ: छोटे चित यानी छोटे मन वाले लोग हमेशा यही गिनते रहते हैं कि यह मेरा है, वह उसका है, लेकिन उदारचित अर्थात बड़े मन वाले लोग संपूर्ण धरती को अपने परिवार के समान मानते हैं।

4. सुलभा: पुरुषा: राजन् सततं प्रियवादिन:।
अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभ:।।

भावार्थ: हमेशा प्रिय और मन को अच्छा लगने वाले बोल बोलने वाले लोग आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन जो आपके हित के बारे में बोले और अप्रिय वचन बोल व सुन सके, ऐसे लोग मिलना दुर्लभ है।

5. अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्।।

भावार्थ: सभी 18 पुराणों में महर्षि वेदव्यास जी ने दो विशेष बातें कही हैं। पहली बात तो यह है कि परोपकार करना पुण्य है और दूसरी बात लोगों को दुख देना ही पाप हैं।

पखुंडी श्रीवास्तव
कक्षा – 9अ

पाटलपुष्पम्

1. मम नाम आर्यन: सेठ: अस्ति।
2 . अहम् अष्टमी कक्षायाम् पठामि ।
3 पाटलपुष्पम् मम प्रियं पुष्पं अस्ति।
4 अस्माकं गृहे अनेकाः पाटलपुष्पानि सन्ति।
5 पाटलपुष्पम् एकम् बहुसुगंधित पुष्पम् अस्ति।
6 पाटलपुष्पम् वर्णाः अनेकाः : प्रकारः सन्ति यथा- श्वेतः वर्णः, रक्त वर्णः, पीत वर्णः।
किन्तु मह्यं रक्तवर्णः पाटलं सर्वाधिक रोचते।
7 पाटलपुष्पम् एकम् मनोहारी पुष्पं अस्ति।
8 पाटले अनेकाः कण्टका भवन्ति ।
9 अनेक: जनाः देवालयेषु पाटलपुष्पानि अर्पयन्ति।
10 पाटलपुष्पेन इत्रानि, गुलाब जलानि, गुलकन्दानि इत्यादि निर्मीयन्ते।
11 पाटलपुष्पम् गृहस्य शोभां वर्धयते।
12 मह्यम् पाटलपुष्पम् अतीव रोचते।

आर्यन: सेठ:
कक्षा – 8 ब

वीरभोग्या: पृथ्वी

पृथ्वी कश्चित् ग्रहः अस्ति । सूर्यमण्डले पृथ्वी तृतीये क्रमाङ्के स्थिता अस्ति । पृथ्वीग्रहः सौरमण्डलस्य पञ्चमबृहत्तमः ग्रहः अस्ति । जीवनाय अनुकूलाः परिस्थितयः पृथ्व्याम् एव सन्ति । पृथ्वी अधिकोष्णा नास्ति, अधिकशीतलापि नास्ति । पृथिव्यां वायुः, जलम् च अस्ति । जीवनस्य कृते वायुजलयोः आवश्यकता भवति । अत्र प्राणवायुः अपि अस्ति, येन श्वसनतन्त्रं चलति । अनेन कारणेन पृथ्वी सौरमण्डलस्य अद्भुतग्रहः विद्यते । पृथिव्याः प्रकृतिः विशिष्टा वर्तते । तस्य विषये इदानीम् अपि स्पष्टं नास्ति । पृथिव्याम् अनेकाः पदार्थाः सन्ति । पृथिव्याः उपरिभागः स्थलमण्डलेन आवृतः अस्ति ।

ग्रहेषु पृथिव्याम् एव जीवनं सम्भवम् अस्ति । यतः जीवनाय भूमेः, जलस्य, वायोः च आवश्यकता वर्तते । तानि सर्वाणि तत्त्वानि पृथिव्याम् उपलब्धानि सन्ति । पृथिव्याः पर्यावरणस्य त्रयः महत्वपूर्णाः घटकाः परस्परं मिलन्ति, परस्परं प्रभावयन्ति च । पृथिव्याः पर्यावरणे त्रीणि मण्डलानि सन्ति । स्थलमण्डलं, जलमण्डलं, वायुमण्डलं च । पृथिव्यां जैवमण्डलम् अपि वर्तते । पृथिव्याः सर्वैः जीवधारिभिः जैवमण्डलस्य रचना अभवत् । एते सर्वे जीवधारिणः अन्यैः मण्डलैः सह पारस्परिकक्रियां कुर्वन्ति । पृथिव्याः सर्वे जीवितघटकाः जैवमण्डले विद्यन्ते । तेषु – पादपाः, जन्तवः, प्राणिनः, सूक्ष्मजीवाः च सन्ति ।

अधिकाः जीवाः स्थलमण्डले एव प्राप्यन्ते । किन्तु तेषु बहवः जीवाः वायुमण्डले जलमण्डले अपि प्राप्यन्ते । केचित् जीवाः मण्डलद्वये अपि स्वतन्त्रतया विचरणं कर्तुं शक्नुवन्ति । जैवमण्डलं, जैवमण्डलानां घटकाः च पर्यावरणस्य महत्वपूर्णानि तत्त्वानि सन्ति । एतानि तत्त्वानि भूम्या, जलेन, मृत्तिकया इत्यादिभिः सह पारस्परिकक्रियां कुर्वन्ति । तापमानेन, वर्षया, आर्द्रतया, सूर्यप्रकाशेन एतानि तत्त्वानि प्रभावितानि भवन्ति । जैविकघटकानां भूमिवायुजलैः सह परस्परम् आदानं, प्रदानं च जीवानां विकासाय च साहाय्याय कल्पते ।

अपूर्वा
कक्षा -10 स

मम दिनचर्या

प्रत्येक मानवस्य दिनचर्या पृथक भवति। अहम् एकः छात्रा अस्मि। मम नाम धुर्वी अस्ति । अहम् शाहजहांपुरनगरे निवसामि नवमी कक्षायां च पठामि। अहं प्रतिदिनं प्रातः पञ्चवादने उत्तिष्ठामि। अहं दुग्धस्य एकं चषकं पिबामि अहं स्वमित्ररामचन्द्रेण सह भ्रमणाय गच्छामि भ्रमणानन्तरम् अहं स्नानं करोमि। स्नात्वा विद्यालयं गच्छामि। विद्यालये प्रार्थना - घण्टिका भवति । सर्वैः छात्रैः सह प्रार्थनां कृत्वा स्वकक्षायां प्रत्यागच्छामि। तदनन्तरं कक्षायाम् अध्ययनं करोमि।

अर्धावकाशे मित्रेण सह भोजनं करोमि। पूर्णे अवकाशे जाते द्विचक्रिकां गृहीत्वा स्वगृहम् आगच्छामि। विश्रामं कृत्वा पाठशालाया: गृहकार्य करोमि । सायङ्काले अहं क्रीडामि तदनन्तरम् अहम् अधीतपाठानां पुनः अभ्यासं करोमि। अहं भोजनं कृत्वा दूरदर्शनं पश्यामि दशवादने शयनाय गच्छामि। एषा भवति मम दिनचर्या ।

ध्रुवी त्रिवेदी
कक्षा - ब

मम विद्यालय:

मम नाम अदिति अस्ति। अहम् अष्टमी कक्षायाम् पठामि। मम विद्यालस्य नामः केन्द्रीयः विद्यालयः ओ.सी.एफ शाहजहाँपुरः अस्ति। अस्माकं विद्यालयः बहवः सुन्दरः अस्ति। अस्माकं विद्यालयः विशालः अपि अस्ति। अस्माकं विद्यालये एकम् सुन्दरम् उद्यानम् अस्ति। अस्मिन् उद्याने अनेकाः प्रकारः पुष्पाणि सन्ति। अस्माकं विद्यालयः परितः अनेकाः वृक्षाः सन्ति। अस्माकं विद्यालये एकः पुस्तकालयः अपि अस्ति। पुस्तकालय अपि अतीव सुन्दराणि अस्ति। अस्माकं विद्यालये बहवः छात्रः अस्ति। अस्माकं विद्यालये सर्वे अध्यापकाः अध्यापिकाः च स्नेहेन पाठ्यन्ति। मम विद्यालयस्य प्रधानाचार्य तु अत्यधिकं सरल स्वभाव अस्ति। अस्माकं विद्यालये छात्रः न केवलम् पठन्ति अपितु अनेकाः कार्यम् अपि कुर्वन्ति ।

अदिति
कक्षा -8 ब

संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अद्यतः सहस्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति । अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति ।

आचार्य- दण्डिना सम्यगेवोक्तम्

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।

अधुनाऽपि सङ्गणकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति। संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति । राष्ट्रस्य ऐक्यं च साधयति । भारतीयगौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारः सर्वैरेव कर्त्तव्यः । अतएव उच्चते-'संस्कृतिः संस्कृताश्रिता ।'

यशिका
कक्षा – 10 ब

सुन्दरता गुणेन न तु रुपेण

एकः सुन्दरः मृगः अस्ति। तस्य द्वादश शृङ्गाणि सन्ति।

सः शीतलं जलम् इच्छति। अतः सरोवरं गच्छति। जलं सुन्दरं स्वप्रतिबिम्बं पश्यति चिन्तयति य। अहो, मम सुन्दराणि श्रृङ्गाणि किन्तु मम कृशाः चरणाः अति कुरूपाः।

सहसा दूरात आखेटकस्य शब्दं शृणोति। स्वरक्षणाय द्रुतं धावति। परं तस्य वक्राणि शृङ्गाणि दीर्घासु शाखासु संसक्तानि भवन्ति। चरणानां प्रभ्ज्ञासेन सः मुक्तः भवति। अधुना सः जानाति यत् सुन्दरता गुणेन भवति न तु रूपेण।

इदम् अपि ज्ञायनाम्, नरस्याभरणं रूपम् रूपस्या मरणं गुणे:। गुण स्थाभरणं ज्ञानम् ज्ञानं स्थाभरणं क्षमा।।

कनिष्का
कक्षा – 9 अ

हास्य विनोद

संस्कृत की कक्षा चल रही थी
गुरुजी पप्पू से:- इस श्लोक का अर्थ बताओ
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन
पप्पू- राधिका शायद रास्ते में फल बेचने का काम कर रही है।
गुरुजी:- मूर्ख, ये अर्थ नहीं होता, चल इसका अर्थ बता,
बहुनि मे व्यतीतानि, जन्मानि तव चार्जुन।
पप्पू- मेरी बहू के कई बच्चें पैदा हो चुके है, सभी का जन्म चार जून को हुआ है।
गुरुजी- अरे गधे संस्कृत पढ़ता है कि घास चरता है।
अब इसका अर्थ बता-
दक्षिणे लक्ष्मणोयस्य वामे तू जनकात्मजा
पप्पू- दक्षिण में खड़े होकर लक्ष्मण बोला जनक आजकल तो तू बहुत मजे में हैं।
गुरुजी- अरे पागल, तुझे 1 भी श्लोक का अर्थ नहीं मालूम है क्या?
पप्पू- मालूम है न गुरुजी!
गुरुजी- तो आखिरी बार पूछता हूँ इस श्लोक का सही-सही अर्थ बताना,
हे पार्थ त्वया चापि मम चापि।
पप्पू- महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण भगवान अर्जुन से कह रहे है किः-
गुरुजी उत्साहित होकर बीच में ही कहते है-
हाँ, शाबाश बता क्या कहा श्रीकृष्ण ने अर्जुन से?
पप्पू- भगवान बोले, अर्जुन तू भी चाय पी ले, मैं भी चाय पी लेता हूं, फिर युद्ध करेंगें।
गुरुजी अभी तक कोमा में हैं----

वैष्णवी
कक्षा -10 स

कला विभाग

Painting is a visual dance of the imagination. Painters and artists express themselves through lines, shapes, colors and textures. Painting takes you altogether to a different world of creativity, emotions, thoughts and feelings.

Pariksha Pe Charcha
India Is In
Pariksha Pe Charcha 2023
Presentation Is Key- Master It
Be Attentive...
Never Give Up!!
Don't Waste Your Time
Parikshा Pe Charcha
Celebrate them

केन्द्रीय विद्यालय क्र.2
KENDRIYA VIDYALAYA No.2

केन्द्रीय विद्यालय क्र2
KENDRIYA VIDYALAYA No.2

केन्द्रीय विद्यालय क्र2
KENDRIYA VIDYALAYA No.2

केन्द्रीय विद्यालय क्र2
आ. व. नि. शाहजहाँपुर
KENDRIYA VIDYALAYA No.2
O.C.F. SHAHJAHAN PUR

INVESTITURE

CEREMONY

"Leadership is the capacity to translate vision into reality and leaders are not born but are made by their experiences in life". The school heralded yet another legacy by organizing Investiture Ceremony 2022-2023 for both Primary and Senior wing to induct and introduce the newly elected prefectorial board. This ceremony signified the reliance and confidence that the school consigned in the new office bearers. The ordinance commenced with the propitious lamp lighting ceremony and the mesmerizing school choir followed by the respected dignitaries presenting the young leaders with sash, badges and roll of honours. The badging ceremony was followed by words of inspiration from our Head of School who rightly taught them the true meaning of leadership and exhorted them to uphold the values of their alma mater.

Independence Day 2022

JALIYA WALA
BAAGH HTYA
KAND
Name -: Divyanshi Tomar
Anushka Sharma

हर घर तिरंगा

SPORTS FELICITATION

51st K.V.S. Regional Rope Skipping Meet - 2022

51st K.V.S. Regional Rope Skipping Meet - 2022

51st K.V.S. Regional Rope Skipping Meet - 2022
रस्सी कूद ROPE SKIPPING

केन्द्रीय विद्यालय क्र.-2 (आ.व.नि.) शाहजहाँपुर
KENDRIYA VIDYALAYA NO-2 (OCF) SHAHJAHANPUR
FIT INDIA
G20
वार्षिक खेलकूद दिवस 2022-23
Annual Sports Day 2022-23
दिनांक: 17-12-22
Date: 17-12-22

FIT INDIA
वार्षिक खेलकूद दिवस 2022-23
Annual Sports Day 2022-23
दिनांक: 17-12-22
Date: 17-12-22
1
2
3

CCA Activities 2022-23

23/04/22
CLASS- 10B
INTER HOUSE CALLIGRAPHY
COMPETITION

CA ACT
LEARN THE RULES LIKE A PRO SO YOU CAN BREAK THEM LIKE AN ARTIST

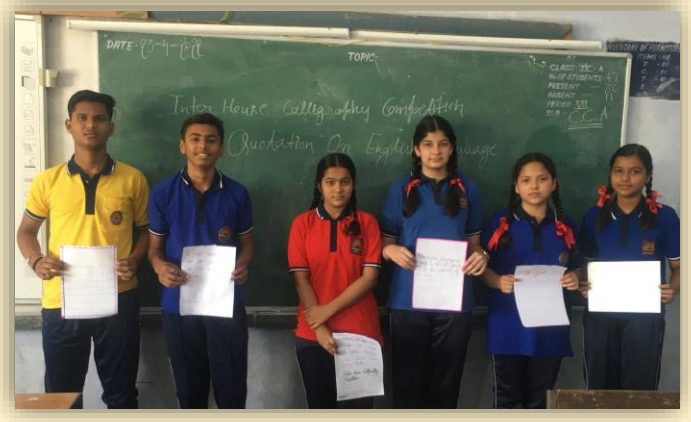
DATE- 23-4-22
TOPIC-
Inter House Calligraphy Competition
Quotation On English Language

25th June, 2022
SAY NO TO DRUGS
जिन्दगी को हाँ, नशे को ना

अशोक सदन

RAMAN HOUSE

केन्द्रीय विद्यालय
उद्घाटन
TREES
EXSTENCE
SAVE
EARTH
LIFE

केन्द्रीय विद्यालय
उद्घाटन
TREES
EXSTENCE
SAVE TREE
SAVE EARTH
EARTH
LIFE

Contact us

Affilation Details:
CBSE Affiliation Number: 2100043
CBSE School Code: 64016
UDISE Code: 09221300703

Postal Address
Kendriya Vidyalaya No-2, OCF, Shahjahanpur, Pin-242001

State:-
Uttar Pradesh

Parliamentary Constituency:-
Shahjahanpur

Phone No
05842-297715

Website:
https://no2shahjahanpur.kvs.ac.in/

Email
kv2ocfspn1stshift@gmail.com
kv2ocfspn2ndshift@gmail.com

Scan QR code for school website